

संपादकीय

(उमेश कुमार तिवारी)

घरेलू बजट बिगाड़ रहा बढ़ता खर्च

महंगाई केवल वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि का नाम नहीं है, बल्कि यह आम आदमी की ऋय-शक्ति, बचत और भविष्य की सुरक्षा पर पड़ने वाली ऐसी चोट है, जिसका दर्द हर महीने घरेलू बजट बनाते समय महसूस होता है। दूध, सब्जी, दाल, तेल, रसोई गैस, बिजली, पेट्रोल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बढ़ते खर्च ने मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक गणित बिगाड़ दी है। विडंबना यह है कि आमदनी जिस गति से नहीं बढ़ती, खर्च उससे कहीं तेजी से बढ़ने लगते हैं। नतीजतन, हर परिवार अब जरूरी खर्च पूरे करने के लिए भी संघर्ष कर रहा है। महंगाई की भयावहता समझने के लिए केवल बाजार में वस्तुओं की कीमतें देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि हमारी आय की वास्तविक ऋय-शक्ति कितनी बची है। यदि किसी व्यक्ति की आमदनी पांच प्रतिशत बढ़ती है, लेकिन उसके जरूरी खर्च आठ प्रतिशत बढ़ जाते हैं, तो कागज पर बड़ी आय के बावजूद उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर रह जाती है। यही महंगाई का असली संचट है। भारतीय रिजर्व बैंक का मुद्रास्फीति नियंत्रण का लक्ष्य भी इसी चुनौती को ध्यान में रखकर निर्धारित किया गया है, लेकिन नीतिगत लक्ष्य और आम आदमी की रसोई के बीच का अंतर चिंता का विषय बना हुआ है। बढ़ती महंगाई के पीछे कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें, रुपये की विनिमय दर, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति, परिवहन लागत, मौसम की अनिश्चितता और वैश्विक संघर्ष घरेलू कीमतों को प्रभावित करते हैं। सूखा, बाढ़ या बेमौसम बारिश फसलों को नुकसान पहुंचाती है, जिससे सब्जियाँ और अनाज की कीमतें बढ़ जाती हैं। इसलिए महंगाई का मुकाबला केवल ब्याज दरें बढ़ाने या घटाने से नहीं किया जा सकता। इसके लिए उत्पादन, भंडारण और वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाना भी जरूरी है। सरकार को चाहिए कि खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर लगातार निगरानी रखे, जमाखोरी और कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे और किसानों को बेहतर भंडारण व बाजार सुविधाएं उपलब्ध कराए। गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों तक लक्षित खाद्य सहायता पहुंचाना भी आवश्यक है, ताकि महंगाई के कारण जो परिवार पोषण और बुनियादी जरूरतों से वंचित न रह जाए। जरूरी यह भी है कि प्रत्येक परिवार अपनी आर्थिक स्थिति के अनुरूप बजट बनाए। यह समझना होगा कि विकास का वास्तविक पैमाना केवल अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी है कि आम नागरिक अपनी कमाई में सम्मानपूर्वक जीवन जी पा रहा है या नहीं इसमें कोई संदेह नहीं कि महंगाई का सीधा असर आम आदमी की थाली, घरेलू बजट और बचत पर पड़ता है। खाद्य पदार्थों, ईंधन और रोमरंगों की वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से विशेषकर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं, पर केंद्र सरकार कीमतों को स्थिर रखने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कई स्तरों पर प्रयास कर रही है। खाद्य महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार प्याज, दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतें नियंत्रित करने के कदम उठाती रही है। नेफेड और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं की बिज्जी इस्का उदाहरण है। जमाखोरी रोकने और बाजार में कुत्रिम कीमती पैदा करने वालों पर कार्रवाई के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधान भी महत्वपूर्ण हैं। गरीब परिवारों को राहत देने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को पांच वर्ष के लिए मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का फैसला कितना कारगर साबित हो रहा है। इस योजना से करोड़ों परिवारों को अपना खाद्य खर्च कम करने में मदद मिली है। इसके अलावा, घरेलू बाजार में वस्तुओं की कीमती होने पर सरकार आयात नीति में बदलाव कर आपूर्ति बढ़ाने का प्रयास करती है। महंगाई नियंत्रण में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति भी महत्वपूर्ण है। ब्याज दरों में बदलाव के जरिये मांग और ऋा की लागत को प्रभावित कर महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया जाता है। ब्याज दरों में हालिया बदलाव इसी का संकेत है। वहीं, सरकार खाद्य तेलों और दालों जैसी वस्तुओं के आयात से जुड़े फैसलों के माध्यम से घरेलू बाजार में उपलब्धता बढ़ाने की कोशिश करती है। निस्संदेह, इन प्रयासों के बावजूद कई बार असफलता हाथ लगती है और महंगाई बढ़ जाती है, जैसे अभी दिख भी रहा है, लेकिन यह देखना होगा कि प्रतिकूल मौसम, कमजोर फसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत वृद्धि और आपूर्ति संबंधी बाधाएं किस तरह घरेलू कीमतों को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए कृषि उत्पादन बढ़ाने, आधुनिक भंडारण व्यवस्था विकसित करने, कोल्ड स्टोरेज व परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार अपने स्तर से प्रयास कर रही है, हालांकि यह आम आदमी को मिलने वाली राहत से ही तय होगा। आवश्यक वस्तुएं उचित कीमतों पर उपलब्ध हों और लोगों की ऋय-शक्ति सुरक्षित रहे, इसके लिए हो रहे सरकारी प्रयास सुखद हैं।

नई दिल्ली

संपादकीय

सोमवार 26 अक्टूबर 2026

2

सरसंघचालक मोहन भागवत का संदेश सत्ता परिवर्तन का भ्रम और राष्ट्र की आंतरिक स्थिरता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक विजयदशमी उत्सव (20 अक्टूबर 2026) के मंच से एक ऐसा वैचारिक विमर्श देश के सामने रखा है, जो केवल तात्कालिक राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भू-राजनीति की गहरी समझ को रेखांकित करता है। उन्होंने समकालीन विश्व की उथल-पुथल, विशेषकर बांग्लादेश, नेपाल और पश्चिम के देशों में मंचे सामाजिक-राजनीतिक भ्रमसाज का हवाला देते हुए एक अत्यंत गंभीर और दूरगामी वक्तव्य दिया। उनका यह स्पष्ट कथन कि रिजिमी चेंज करने से परिस्थितियां नहीं बदलतीं, ऐसा पहले भी नहीं हुआ है और आज भी नहीं होगा, आज के वैश्विक और भारतीय विचारणीय में एक अत्यंत महत्वपूर्ण परिदृश्यीय विमर्श की मांग करता है। यह विश्लेषण इस बात को गहराई से रेखांकित करता है कि आखिर क्यों बाहरी सत्ताओं का बदलना किसी देश की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, और क्यों भारत को वैश्विक आसुरी ताकतों के इस चक्रव्यूह से सावधान रहने की आवश्यकता है। इतिहास और समकालीन विश्व राजनीति इस बात की गवाह हैं कि जब-जब किसी राष्ट्र में व्यवस्था को भीतर से सुधारने के बजाय हिंसक, अभाजक या विदेशी प्रायोजित तरीकों से केवल शीर्ष को बदलने का प्रयास किया गया है, वहां की जनता को विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़े हैं। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में फ्रांस, अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल जैसे विविध भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देशों के संदर्भों को शामिल किया।

सांस्कृतिक मार्क्सवाद या असांस्कृतिक मार्क्सवाद या उस आधुनिक तूफान का उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति को बदलने का साधारण आंदोलन नहीं है, बल्कि मानवीय मूल्य, पारंपरिक बाने, पारिवारिक मर्यादा, अस्मिता को मटियामेट करने अत्यंत अराजक चेष्टा है।

मैं केवल स्थापित सत्ता को ही हरम लक्ष्य मानता हूँ। उसके बाद पैदा होने वाले उस देश को गृहयुद्ध, आतंक, चरमपंथ की आग में झोंके वर्षों में हमने देखा है कि बाहरी ताकतों के सहयोग उन्माद के दम पर अचानक हुआ, वहां लोकतंत्र मजबूत अराजकता, कट्टरपंथ और अधिक गहरा हो गया।

बयान इसी कड़वी हकीकत ऐतिहासिक, प्रासंगिक विश्लेषण है जिसे नजर आ जा सकता। भारत के सामने का यह वक्तव्य एक सामरिक चेतावनी के रूप में वर्तमान में भारत के आर्थिक, सामरिक, तकनीकी मोर्चे पर अद्वितीय है और एक महाशक्ति के लिए। लेकिन इस अभूतपूर्व भारत के प्रति वैश्विक और असहजता भी खोज

के उदाहरण और दुनिया का पश्चिम से उठे के विमर्श के मन्त्र करते हुए केवल सत्ताओं राजनीतिक ह हर स्थापित सामाजिक ताने- और राष्ट्रीय करने की एक किसी समाज उखाड़ फेंकने जा जाता है, तो कंगाली और नयी देशों में या आंतरिक र रिजीम जैज होने के बजाय मेना का दखल गवत का यह क्त का एक ारशनिक नही किया ने संघ प्रमुख यंत महत्वपूर्ण समने अता क्ट पटल पर नीतिक और प्रगति कर रहा प में उपर रहा के साथ ही येथ्यो की ईष्या नाक स्तर पर बढ़ी है। सरसंघवालक ने बहुत ही बेबाकी से उन आसुरी ताकतों की ओर इशारा किया जो दुनिया भर में अपने आर्थिक और राजनीतिक वर्चस्व को साधे रखने के लिए विभिन्न देशों में अपने पिढू स्थापित करना चाहती हैं। वृकि ये ताकतें भारत को सैन्य या आर्थिक रूप से सीधे टक्कर देने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए वे भारत के भीतर ही अदृश्य तरीका रेखाएं खींचने को कुत्सित प्रयास कर रही हैं। जाति, भाषा, प्रातीयता, वर्ग और संप्रदाय के नाम पर समाज को आपस में लड़ाना इन ताकतों का मुख्य सामरिक औजार बन चुका है। भारत को अस्थिर करने के लिए एक सुनियोजित नेरेटिव वॉर और टूलकिट प्रोग्रेमेंड चलाया जा रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य देश की संवैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और सुरक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को धूल-धूसारित करना है। हाल के दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य संवैधानिक मुद्दे के खिलाफ जिस तरह के प्रयोजित, हिंसक और तीखे प्रदर्शन देखने को मिले हैं, वे इसी गहरी वैश्विक साजिश का हिस्सा प्रतीत होते हैं, जिसका लक्ष्य देश में एक कृत्रिम संकट पैदा करना है। एक जीवंत लोकतंत्र में असहमति, विरोध और शांतिपूर्ण आंदोलन स्वाभाविक हैं और इन्हें किसी भी जागरूक समाज का आवश्यक लक्षण माना जाना चाहिए। मोहन भागवत के अनुसार भाषणा में स्पष्ट किया कि व्यवस्था की कमियों के खिलाफ आवाज उठाना जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। परंतु, समस्या तब उत्पन्न होती है जब इन आंदोलनों का नियंत्रण और फंडिंग देशविरोधी ताकतों, विदेशी संस्थाओं

या संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के हाथ में चला जाता है। ऐसी स्थिति में वे आंदोलन राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के लिए सीधी खतरा बन जाते हैं। यही कारण है कि संघ प्रमुख न देश के प्रदर्शनकारियों, नागरिक समाज, प्रशासनिक तंत्र और राजनीतिक नेतृत्व—सभी से एक सुर में सिव्हान, कानून और नागरिकता के दायरे में रहकर काम करने की पुर्जोर् अपील की है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में यदि सड़कों पर होने वाले हिंसक फैसले संसद और सर्वोच्च न्यायालयों से बड़े होने लगेंगे, तो वह देश बहुत जल्द अराजकता के गर्त में गिर जाएगा। आंदोलनों को राजनीतिक रोटियां सजाने और देश को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का जरिया बनाने के बजाय, उनका उद्देश्य हमेशा रचनात्मक और सुधारनात्मक होना चाहिए। जब तक देश का हर नागरिक अपने अधिकारों के साथ—साथ अपने नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति संचेत नहीं होगा, तब तक हम इन आधुनिक हाइब्रिड वॉरफेयर और आंतरिक साजिशों का पूरी ताकत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। इस पूरे विमर्श का सबसे दार्शनिक और व्यावहारिक पहलु यह है कि किसी भी राष्ट्र की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान केवल राजनीतिक उथल-पुथल, नारों या शासकों को बदल देने से कभी नहीं होता। असली, टिकाऊ और स्थायी हलवा हमेशा समाज के भीतर से, उसकी चेतना से आता है। जब तक समाज का नैतिक पतन होता रहेगा, जब तक हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों और पूर्वजों के गौरव से संतु रहेंगे, और जब तक हमारे भीतर सामाजिक समरसता का अभाव रहेगा, तब तक केवल नई सरकारें

मुक्त लेने या व्यवस्था परिवर्तन कर देने से देश का भाग्य नहीं बदलेगा। भारत का इतिहास इस बात का जीवन्त साक्षी है कि हमारी वास्तविक शक्ति हमेशा से हमारी सांस्कृतिक एकजुटता, आपसी भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना में रही है, न कि केवल राजसी सत्ताओं के मेलों में। यदि केवल भीतर से जातियों या संप्रदायों में टूटता हो और खोखला हो, तो दुनिया की सबसे मजबूत राजनीतिक व्यवस्था भी शाश्वत के पतों की तरह ढह जाती है। इसलिए, वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि हम केवल राजनीतिक दोषारोपण और रोज-रोज के चुनौती नफे-नुकसान के खेल में न उलझकर एक सजग, समरस, सुशिक्षित और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण में जुटें। जब देश का सामाजिक नाना-बाना मजबूत होगा, तो दुनिया की कोई भी आसुरी ताकत या विदेशों से प्रयोजित कोई भी आंदोलन हमारे लोकतंत्र और संप्रभुता को हिला नहीं पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोहन भागवत के इस महत्वपूर्ण संबंध को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए प्रेरणादायी भाषना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश का शीर्ष राजनीतिक और नीतिगत तत्त्व भी इन वैश्विक चुनौतियों की भीरुता को भली-भांति समझता है। यह समीप दलगत राजनीति, तुष्टिकरण और संकीर्ण क्षेत्रीय हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रपथ की भावना को पूर्ण रूप से समझना आवश्यक करने का है। विपक्ष हो या सत्ता, सभी को यह जिम्मेदारी समझनी है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और सत्ता की भूख देश की सुखशा और राष्ट्र की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

विजयादशमी पर सनातन विजय व राष्ट्र को नशामुक्त करने का संकल्प



सुरे लक्ष्य से
मन बन जाता
दबाने वाली
को बाँटकर
संतोष और
होने कहा कि
हर तरफ की
र सांस्कृतिक
र रखती है।
और नेपाल ही
का उनका ही है।
रिजीमि चेंज
लेकिन ऐसा
हुआ है और
नलमंथी नरेंद्र
ने देते हुए देश
ने दी कि हम

2047 तक भारत को विकसित भारत
बनाकर ही रहेंगे। प्रधानमंत्री ने वस्तुतः
अपने नये नारे **ऋहम करके रहेंगे** को ही हमारे
दोहराया और बात दिया है कि अंत में
विजय हमारी ही होगी। प्रधानमंत्री ने देश
के सामने आ रही वर्तमान चुनौतियाँ
मिलकर लड़ने का संदेश दिया और देश
के सभी राजनैतिक दलों व समस्त
संवैधानिक संस्थाओं से राष्ट्रहित में
एकजुट हो जाने का आह्वान किया।
प्रधानमंत्री ने देश के तीन दुश्मनों का
उल्लेख करते हुए कहा कि देश के मान
सम्मान को नुकसान पहुँचाने वाली ताकतें,
समाज में फूट डालने वाले लोग और
राष्ट्रीय समाज से नफरत करने वाली
सोच ऐसी चुनौतियाँ हैं जिनका सामना देशी
को मिलकर करना होगा। उन्होंने देश की

एकता व संस्कृति को मजबूत बनाए रखने पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान राम के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि रामराज्य में शासन का उद्देश्य जनकल्याण होता है। वहां भेदभाव की जगह न्याय और सभी को समान अवसर देना होता है। साथ ही गरीबों, वितर्कों की सेवा करना भी है, सरकार और समाज दोनों का ध्यान इन लोगों की सहायता पर होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से आगामी समय में सरकार द्वारा लिए जाने वाले संभावित सारहासिक निर्णय व संकल्पों का संदेश भी निकल रहा है। संभव है सरकार असद के माध्यम से अपने कुछ ऐतिहासिक संकल्पों को पूर्ण करने के लिए आगे बढ़े और इसी कारण से प्रधानमंत्री ने देशहित में सभी राजनीतिक दलों से एकजुटता का आह्वान किया है। सरकार परिसीमन बिल, महिला आरक्षण बिल तथा एक देश एक चुनाव व्यवस्था पर आगे बढ़ना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान समस्याओं का अंत रामराज्य के माध्यम से ही संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में दिए गए अपने संबोधन को स्मरण किया और प्रभु श्रीराम के गुणों व विशेषताओं का वर्णन करते हुए राम राज्य की स्थापना व उस समय लिए गए सभी संकल्पों को पूर्ण करने का भी स्मरण किया और उन्होंने कि अंत में विजय हमारी ही होगी। उन्होंने कहा कि आज देश का जन-मन अधर्म पर धर्म

की जीत का उद्घोष कर रहा है भगवान राम ने रावण का अंत किया और मानवता को ऐसे आदर्श दिए जो इतिहास में अतुलनीय हैं। भगवान राम ने कठिनाईयों के बाद भी सत्य और नीति का मार्ग नहीं छोड़े कर्ण, सीख और 1 उधर उत्तर प्रदेश में सभी की दुःखी गोरखपुर में आयोजित विजयादशमी उत्सव के अवसर पर उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन पर भी टिकी हुई थी। योगी जी ने अपनी चिर-परिचित शैली में सनातन की बात की। उन्होंने अयोध्या की रामलीला, दीपोत्सव और राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या की रामलीला तक नहीं देखी वे भी वहां को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। योगी ने कहा कि राम मंदिर निर्माण तय समय से पहले हो गया है। जो लोग अभी अयोध्या गए ही नहीं उन लोगों को भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण कैसे बर्दाश्त होगा। उन्होंने समाज को जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने वालों की तुलना रावण से की और कहा कि देश को कमजोर करने का प्रयास करने वाले लोगों में रावण की आत्मा आ गई है। उन्होंने कहा कि कालनेमि भी राम-राम कहता था उन्होंने लोगों से बजरंग बली की तरह सही और गलत की पहचान करने की अपील की। महाराष्ट्र से देवेन्द्र फडनवीस, उत्तराखंड से पुष्कर सिंह धामी, असम से हिमंता बिस्वा सरमा और पश्चिम बंगाल से शैलेंद्र अधिकारी के सन्देश और संकल्प भी चर्चा में रहे।

युद्ध से थक चुके देशों में शांति की पहल

युद्ध का अंत या तो जीत के साथ होता है या फिर लड़ते-लड़ते थक जाने पर। जीत की तुलना में थकान को समझना कहीं अधिक आसान होता है, क्योंकि इसमें संसाधनों को मापा जाता है; इच्छाशक्ति जैसे संसाधन की सीमा को भी। इसे दूसरी ओर, जीत के दो पहलू होते हैं। इसी तारी सार्थक माना जाता है, जब दुश्मन अपनी हार स्वीकार कर ले। युद्ध हमेशा खत्म नहीं होते, बेशक कोई लड़ाई थम जाए। कई बार तो वे पीढ़ियों तक चलते रहते हैं। रूस ने जारशाही 1990 की व्यवस्था, कम्युनिस्ट तानाशाही और 1990 के बाद के लोकतांत्रिक दौर में भी यूक्रेन को अपनी रणनीतिक सीमा का हिस्सा माना है। यह सोच तब भी बनी रही, जब सोवियत संघ टूट गया और यूक्रेन ने राष्ट्रवाद की भावना मजबूत होने लगी। यह साफ तौर पर नहीं कहा जा सकता कि पश्चिम एशिया में युद्धों की शुरुआत कब हुई, लेकिन यह स्पष्ट है कि इनका अंत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। पाकिस्तान ने अपने जन्म के महज दस साल के भीतर अक्तूबर 1947 में कश्मीर पर कब्जा करने के इरादे से एकतरफा और छद्म युद्ध छेड़ दिया था। आज 75 साल बाद भी इसके उतार-चढ़ाव के बारे में लिखा जाता है। यूक्रेन पर रूस के बढ़ते खतरे का मौजूदा दौर 24 फरवरी, 2022 को

यूरो नहीं हुआ था, जब माँसको ने उस पर जमीनी हमला किया, बल्कि इसकी शुरुआत तो 2014 में ही हो गई थी, जब उसने क्रिमिया पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगी आज भी 2014 से जुड़े इस अहम सवाल का जवाब देने से बचते हैं कि उन्होंने महज विरोध की औपचारिकता निभाकर क्रिमिया पर रूसी कब्जा क्यों मान लिया था? उस समय वाशिंगटन में बराक ओबामा, लंदन में डेविड कैमरन और बर्लिन में एंजोला मर्केल सत्ता में थीं। उन्होंने कुछ नहीं किया। अगर क्रिमिया पर कब्जा रणनीतिक रूप से ठीक था, तो फिर माँसको को इसी तर्क पर रूसी भाषी पूर्वी यूक्रेन पर दावा करने से क्यों रोका जाना चाहिए बहरहाल, सवाल यह है कि क्या उस अब युद्ध करते-करते थक गया है? फिलहाल यह तो पता नहीं, लेकिन यूक्रेन पर जरूर थकान हावी हो रही है। उसके हथियार खत्म हो चुके हैं, मोर्चे पर उसकी स्थिति लगातार कमजोर पड़ने लगी है, रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चमरा गई है और कच्चाप गण इलाकों को फिर से वापस पाने की उम्मीदें दब लगभग दम तोड़ चुकी हैं। नतीजतन, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की तुरंत युद्ध-विराम की गुहार लगा रहे हैं। हालाँकि, व्लादिमीर पुतिन अभी उठने थके नहीं दिख रहे, मगर हर युद्ध



अपनी बड़ी कीमत वसूलता है। यूक्रेन युद्ध में यह अपने ही देश की मौजूदा पीढ़ी के संसर्गितों को झोक रहे हैं। ऐसा जोखिम उठाना गैर-जिम्मेदाराना होगा। पतिन को अब तक वह नहीं मिला है, जिसके मिलने की उम्मीद उनके 2022 में थी, बल्कि वह लक्ष्य अब उनसे बहुत दूर जा चुका है। ऐसे में, और अधिक हासिल करने की कोशिश में अब तक मिली बढत को गंवाने के बजाय उनके लिए बेहतर यही होगा कि जो पा चुके हैं, उस पर अमेरिका और यूरोप से राजमांदी हासिल कर लें। यह अमेरिकी शासन-व्यवस्था की खासियत है कि वहां का राष्ट्रापति फैसलों को प्रभावित करने की जितनी



ताकत रखता है, उतनी क्षमता अन्य लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के पास नहीं होती। झाड़ट हाउस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसा के लिए एक अनुकूल राजनीतिक ठिकाना है, जो 'हम' के मुकाबले 'मैं' को अधिक महत्व देते हैं। मॉस्को को डोनाल्ड ट्रंप से बेहतर कोई दूसरा अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं मिलने वाला, जो उसके प्रति इतना झुकाव रखता हो। इसलिए, यह रूस के हित में है कि वह ट्रंप के कार्यकाल में ही उनकी राजनीतिक बढ़त का फायदा उठाकर यूक्रेन में यथास्थिति कायम करने का समझौता कर ले। यूक्रेन युद्ध पर समझौता कराकर पुतिन को किसी रूप में जीत दिलाने

के पीछे ट्रंप का एक खास मकसद है। दरअसल, ईरान के खिलाफ अकारण छेड़ी गई जंग में अमेरिका को जिस अपमान का सामना करना पड़ा है, उस पर ट्रंप अपना गुस्सा बमशुिकल छिपा पा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया ने खुलासा किया और पेट्रान ने मान भी लिया कि ईरान के हाथों अमेरिका को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यदि ट्रंप यह दावा नहीं कर पाते हैं कि ईरान को उन्होंने अपनी शर्तों पर झुका दिया है, तो इतिहास उन्हें ऐसे पराजित नेता के रूप में ही याद रखेगा। इस पर जमीनकारी में अब इजरायल का मुद्दा पीछे चला गया है। अमेरिका ने बहुत ही सावधानी और खामोशी के साथ एक ऐसा गैरबद्धन तैयार कर लिया है, जो ईरान को धेरकर रखेगा, ताकि वह कोई नया हमला न कर सके। अमेरिका ने सऊदी अरब की सुरक्षा का हवाला देकर ब्रिटेन और फ्रांस को मैदान में उतरने को मजबूर किया है। उसने मक्का समझौते को भी आगे बढ़ाया, ताकि पाकिस्तानी फौज को इसमें शामिल करने का बहाना मिल सके। अमेरिकी निर्देशों के तहत पाकिस्तान ने ईरान के साथ अपनी सीमाएं बंद भी कर दी हैं, क्योंकि आर्थिक दबाव डालना अमेरिकी रणनीति का अहम हिस्सा है। इराक को भी ऐसे ही निर्देश दिए गए हैं, हालांकि

उसके अमेरिका के सामने पूरी तरह झुकने की संभावना कम है। इस बीच, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के तहत अमेरिकी सैनिकों को इराक, जॉर्डन, कतर और कुवैत से हटा लिया गया है, क्योंकि ट्रंप जानते हैं कि अमेरिकी जनता अपने सैनिकों की मौत बर्दाश्त नहीं करती। ऐसे में, यदि जमीन पर सफल होती है, तो उसका मोर्चा स्थानीय सेनाएं संभालेंगी, जबकि अमेरिका अपनी हवाई सैन्य ताकत दिखाएगा, जिसमें उसका दबदबा है। ईरान का जवाब स्पष्ट है, यदि उस पर फिर से हमला हुआ, तो उसकी फौज पड़ोसी अरब देशों को निशाना बनाएगी। हालांकि, मिसाइलों और ड्रोन पर टिकी ईरान की जवाबी कार्रवाई रूसी उपग्रहों और चीनी खुफिया जानकारीयों पर निर्भर है। इसका अर्थ है कि यदि इस सहयोग को बेअसर कर दिया जाए, तो ईरान का जवाबी हमला कमजोर पड़ सकता है। साफ है, हम अभी कई अस्थिर मोर्चों पर एक साथ सैन्य शतरंज का खेल देख रहे हैं। जब तक खेल जारी है, इसके नतीजे का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि, यह भी जानना जरूरी है कि इस संघर्ष में शामिल नेताओं में जो नेता शतरंज की चालों को दूसरों से बेहतर समझ रहा है, वह व्लादिमीर पुतिन ही हैं।



एक नज़र

खाकी को गी नहीं बरशा! महिला पुलिसकर्मियों से लाखों की ठगी, उम्र महज 23 साल; फंसाने का ये था फॉर्मुला

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी इलाके से पुलिस ने 23 वर्षीय शख्स को अलग-अलग महिला कांस्टेबल से लाखों रुपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। शख्स खुद को बिजनेसमैन बताकर निवेश के बदले हाई रिटर्न का दावा करता था। ठगी का शिकार हुई एक महिला कांस्टेबल की शिकायत के बाद यह पूरा मामला सामने आया। इंडिया टुडे के मुताबिक, आरोपी की पहचान विक्रांत तोमर के रूप में हुई है। विक्रांत ने करोल बाग पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल शिवानी से 24 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया। आरोपी ने महिला कांस्टेबल से सबसे पहले इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क किया और दिल्ली पुलिस में स्पोर्ट्स कोटा के तहत भर्ती के बारे में जानकारी ली और इसके बाद दोनों की बातचीत व्हाट्सएप पर होने लगी। इसके बाद उसने जान-पहचान बढ़ाई और खुद को क्रिकेट की एक जानी-मानी हस्ती बताया। पुलिस ने बताया है कि कुछ समय बाद तोमर ने महिला कांस्टेबल शिवानी को रिटर्न का लालच देकर निवेश के लिए राजी कर लिया। महिला पुलिसकर्मी तोमर की बातों पर विश्वास कर बैठी और अपने एक्सिस बैंक के अकाउंट से सेविंग की रकम और साथ ही 12 लाख रुपये का पर्सनल लोन भी ट्रांसफर किया। यही नहीं जान-पहचान के लोगों से उधारी लेकर भी निवेश किया। जांचकर्ताओं के मुताबिक कुल रकम में से लगभग 8 लाख रुपये तोमर के कहने पर vx.com बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। शिकायत में बताया है कि एक मुलाकात के दौरान आरोपी युवक ने महिला की कमर को भी टच किया था। जांचकर्ता अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या आरोपी ने इसी तरह अन्य महिला कांस्टेबल को फंसाया या नहीं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी खुद को बिजनेसमैन के तौर पर पेश करने के लिए लजगी गाड़ियों को किराए पर लेता था। इंस्टाग्राम पर खुद को इस तरह से पेश करता था जिसमें लजगरी गाड़ियां और महंगी लाइफस्टाइल दिखाई देती थी। अपनी इस छवि का फायदा उठाकर उसने अलग-अलग महिला कांस्टेबल का भरोसा जीता और अलग-अलग बहाने बनाकर ठगी को अंजाम दिया। वहीं एनडीटीवी के मुताबिक, आरोपी ने एक ही बैच की महिला कांस्टेबल को ठगी का शिकार बनाया। शख्स 8 घंटे के लिए लजगरी गाड़ी को किराए पर लेता था और इस दौरान महिला कांस्टेबल को बाहर लेकर जाता था। शख्स पीड़ित महिलाओं को शادی का झंसा भी देता था।

दिल्ली मेट्रो में सरकार विरोधी पोस्टर

लगाने पर डीएमआरसी का ऐवशन, दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के अंदर सरकार विरोधी प्रदर्शन वाले पोस्टर लगाने पर बड़ा ऐवशन लिया गया है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर एक मेट्रो ट्रेन के अंदर सरकार के प्रदर्शन पर खवाल उठाने और अलग-अलग मुद्दों को उठाने वाले दो पोस्टर चिपके मिले थे, जिसके बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले की जानकारी देते हुए सू्यों ने बताया कि पोस्टर में क्यूआर कोड के जरिये लोगों को एक ऑनलाइन समूह से जुड़ने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। पुलिस ने इन पोस्टर को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि स्पेशल टीम भी मामले की जांच में शामिल है। एफआईआर के अनुसार, यह मामला 20 अक्टूबर को उस समय सामने आया, जब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर तैनात ट्रेन ऑपरेटर तरुण चौधरी ड्यूटी पर थे। एफआईआर के अनुसार, ट्रेन के कैबिन से अंदर निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने एक सीट पर दो पोस्टर चिपके देखे। पुलिस सू्यों ने बताया कि ट्रेन के अंदर पोस्टर चिपकाने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए पुलिस सीसीटीवी का सहारा ले रही है, जिससे आरोपी की पहचान की जा सके। बता दें कि बीते कई दिनों से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में प्रदर्शन चल रहे हैं। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर चल प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे थे। इसी दौरान दिल्ली मेट्रो में किसी ने सरकार विरोधी पोस्टर मेट्रो के अंदर चिपका दिए, जिसे लेकर डीएमआरसी ने पुलिस को सूचना दी और इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई है। अब पुलिस ट्रेन में पोस्टर चिपकाने वाले व्यक्ति की पहचान कर रही है।

नई दिल्ली

पीस बॉन्ड भरने से इनकार करने के कुछ घंटों बाद एसईएम के सामने पेश हुई नेहा बोरा,कोर्ट ने पुलिस को दिया यह निर्देश



दिल्ली को जाममुक्त करने की बड़ी तैयारी; आएगा नया मास्टर प्लान, कैसे होगा समाधान

नई दिल्ली। दिल्ली में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के साधन को विकसित किया जा रहा है। इसे लेकर राजधानी की सभी तरह की परिवहन सेवाओं व साधनों को एकीकृत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली को जाम मुक्त करने और व्यवस्थित परिवहन सेवाओं के लिए एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण (युनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी-यूएमटीए) के गठन की भी तैयारी की जा रही है। इस संबंध में दिल्ली मास्टर प्लान (एमपीडी)-2047 को लेकर डीडीए की ग्यारवही बैठक में इस नए प्राधिकरण को स्थापित करने का प्रस्ताव लाया गया है।

इस प्राधिकरण के जरिए शहर की एक व्यापक गतिशीलता का नया मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें सभी प्रकार के परिवहन साधनों को एक साथ जोड़ते हुए उसकी निगरानी करने और योजना को लागू करने का यह नया प्राधिकरण काम करेगा। इस बैठक में दिल्ली नगर निगम, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड दिल्ली सरकार के कई विभाग, पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग, एनएचएआई, डीएमआरसी, दिल्ली टैफिक पुलिस और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के प्रतिनिधि, अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में सभी हितधारकों ने राजधानी के यातायात व पार्किंग प्रबंधन, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए चर्चा की व सुझाव दिए। इसके

नोएडा सेक्टर 125 में लगी भीषण आग, एक शख्स की मौत; 5 दुकानें जलकर खाक

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-125 में शनिवार दोपहर 5–6 दुकानों में भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। न्यूज एजेंसी पीटीआईई के मुताबिक इस घटना में एक युवक की मौत हो गई है। आग लगने की क्या वजह है इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने के दौरान एक युवक बेहोशी की हालत में मिला जिसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसमान में धुएं का गुबार छा गया। आग लगने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग लगने से कितना नुकसान हुआ है फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। इस घटना में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के



नई दिल्ली। दिल्ली में शाहदरा के कृष्णा नगर इलाके में स्थित एक सरकारी स्कूल में शनिवार को एक छात्रा ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि आज सुबह आग लगने की घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। जिसके बाद कृष्णा नगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जहां स्कूल के गार्ड रूम के पीछे 12वीं कक्षा की लगभग 18 वर्षीय एक छात्रा जली हुई हालत में मिली।

घटना की सूचना मिलने पर परिजन विद्यालय पहुंचे, और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। वहीं मामले की जागरण करते हुए पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान, घटनास्थल और मृतका के स्कूल बैग से कुछ चीजें बरामद हुई हैं। साथ ही घटनास्थल की निरीक्षण करने और जरूरी सबूत इकट्ठा करने के लिए पुलिस और क्राइम टीम

दिल्ली-एनसीआर

नई दिल्ली। नेहा के वकील ने SEM के सामने पेशी के बाद कहा, कोर्ट का यह फैसला काफी अहम है, क्योंकि यह हिरासत में लिए गए लोगों के उस अधिकार को बरकरार रखता है, जिसके तहत वे अपने ऊपर लगे आरोपों को जान सकते हैं और उन पर तर्कपूर्ण तरीके से अपना जवाब दे सकते हैं। हाई कोर्ट में अपनी याचिका खारिज होने के एक दिन बाद AISA (ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन) अध्यक्ष नेहा बोरा शनिवार को SEM (विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट) के सामने पेश होने के लिए मंदिर मार्ग थाने पहुंचीं। जहां हुई सुनवाई के दौरान SEM कोर्ट ने हाई कोर्ट से मिले निर्देश के अनुसार पुलिस से नेहा बोरा के वकील को जरूरी दस्तावेज सौंपने को कहा। इसके साथ ही SEM ने उनके वकील को जवाब दाखिल करने के लिए समय भी दिया। मामले की अगली

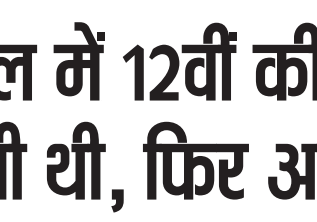


अलावा बैठक में एकीकृत पार्किंग योजना ढांचा को तैयार करने का प्रस्ताव भी लाया गया है। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस योजना में सड़कों पर से ट्रैफिक की भीड़ कम करने के उपायों की भी पहचान की गई है जैसे कि नए सड़क नेटवर्क,

जीटीबी समेत दिल्ली के 4 बड़े सरकारी अस्पताल होंगे एक, मिलेगी एम्स जैसी सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली के चार अस्पतालों को मिलाकर एक मल्टी-स्पेशियलिटी संस्थान बनाने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने गुरुवारको बताया कि पूर्वी दिल्ली के चार बड़े सरकारी अस्पताल गुरु तेग बहादुर (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज को मिलाकर एम्स जैसा अस्पताल बनाया जाएगा। दिल्ली चार अस्पतालों को मिलाकर एक करने वाले प्रस्ताव के अनुसार, दिलशाद गार्डन और उसके आसपास चारों अस्पतालों को चलाने वाली अलग-अलग संस्थाओं को खत्म कर दिया जाएगा और इन सभी को एक संस्था के जिम्में सौंप दिया जाएगा। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव को एलजी तरनजी संधू की मंजूरी भी मिल गई है। जल्द ही इस प्रक्रिया के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इस मामले की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि हमें चारों अस्पतालों के विलय के लिए उपराज्यपाल से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इसके लिए टेंडर जारी करेंगे और ट्रांस यमुना इलाके में अब एम्स जैसा एक मल्टी-स्पेशलिटी संस्थान होगा। पंकज सिंह ने कहा कि इस संस्थान के बन जाने के बाद इलाके के 60 लाख लोगों को सीधा फायदा मिलेगा और बाद में पूरी दिल्ली के लोगों को भी इससे फायदा मिलेगा। एलजी से मिली मंजूरी वाले प्रस्ताव के अनुसार इस विलय का उद्देश्य मेडिकल सुविधाओं के दोहराव को कम करना और मौजूदा ढांचे और स्टाफ का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इन अलग-अलग अस्पतालों में दी जाने वाली सभी सुविधाओं का अब एक संस्थान में फायदा उठाया जा सकेगा। इस मजूर के बाद मरीजों को एक यूनिट से दूसरी यूनिट में आसानी से रेफर किया जा सकेगा, जिसके लिए पहले काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

मुताबिक, आग लगने की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां और सेक्टर 126 पुलिस थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति की संभालने में जुट गए थे। गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि ‘सेक्टर 126 थाना क्षेत्र में रायपुर में चाय और सैक्स बेचने वाली पांच दुकानों में आग लगने की सूचना मिली। तुरंत फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसके साथ ही सेक्टर 126 थाने के पुलिसकर्मियों को भी मदद के लिए भेजा गया। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। किसी के भी हातहत हाने की सूचना नहीं। आग की सूचना मिलते ही संबंधित विभागों ने तत्परता दिखाते हुए राहत और बचाव का काम शुरू किया। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद पास के खाने-पीने की दुकानों तक जा पहुंची और धुएं का गुबार उठने लगा।



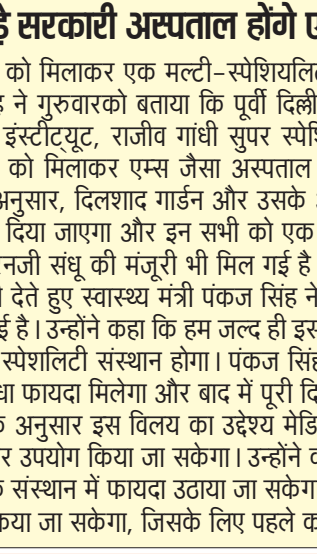
भी मौजूद हैं। पुलिस ने कहा कि इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है और आगे की पूछताछ जारी है। मामले में सुसाइड नोट या सुसाइड के कारण को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि स्थानीय लोगों द्वारा प्रेम प्रसंग को लेकर सुसाइड की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि छात्रा छठे पीरियड के बाद वलास

दिल्ली-एनसीआर

सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। इससे पहले शनिवार सुबह नेहा बोरा ने SEM के सामने शांति मुचलका (पीस बॉन्ड) भरने से इनकार कर दिया था। SEM के सामने पेशी के बाद थाने से बाहर निकलते हुए अंदर हुई कार्यवाही की जानकारी देते हुए नेहा बोरा के वकील अभिक चिमनी ने कहा, हाई कोर्ट ने पुलिस के शो-कॉज नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया था। हालांकि, कोर्ट ने कुछ अहम शर्तें तय की थीं। जिसके अनुसार कोर्ट ने पुलिस से उन सभी दस्तावेजों या सबूतों को हमें भी उपलब्ध कराने के लिए कहा था, जिनके आधार पर हमारे खिलाफ शांति भंग होने की आशंका को आधार बनाया गया था। नेहा के वकील ने आगे कहा, आज हमने उच्च न्यायालय का यह फैसला स्वरू को दिखाया, जिसके बाद उन्होंने हमें इस मामले



अंडरपास, एलिवेटेड कॉरिडोर और क्रॉस-कॉरिडोर विकसित करना, अधूरे सड़क संपर्क (मिसिंग लिंक्स) को जोड़ना, सड़क जंक्शनों में सुधार करना और बाधाओं को दूर करना। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि एमपीडी के तहत पार्किंग की इस



योजना में स्मार्ट और टिकाऊ गतिशीलता समाधानों की कार्य योजना बनाई गई है। जिसमें स्वच्छ ईंधन का उपयोग, तकनीकी रूप से उन्नत परिवहन प्रणालियां, ट्रैफिक व पार्किंग प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शामिल है। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण के प्रस्ताव को मास्टर प्लान 2047 के प्रावधानों के अनुसार ही आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके जरिए दिल्ली में मेट्रो, रेल, बस के साथ सड़कों पर यातायात की बेहतर सुविधा विकसित होगी। यह प्राधिकरण गतिशीलता (मोबिलिटी) योजना को बनाएगा। इसके जरिए दिल्ली के व्यस्त सड़क मार्गों में जाम खत्म करने को लेकर भी प्लान बनेगा।

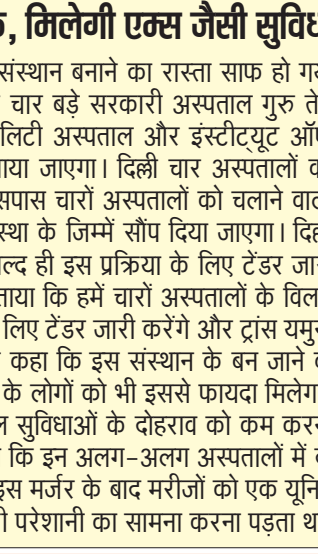
नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने आलोचकों पर तंज कसा है। दास ने यह तंज उन दावों के लेकर कसा है जिसमें कहा जा रहा है कि वे स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट के सामने दिल्ली में रहने का प्रमाण सौंपने में नाकाम रहे हैं। बताया जा रहा है कि स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट ने उनसे यह प्रमाण पीस बॉन्ड (शांति बनाए रखने के मुचलका) भरने की प्रक्रिया के दौरान मांगा गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, एक सोशल मीडिया

दिल्ली-एनसीआर

से जुड़े सभी दस्तावेज हमें दे दिए। 29 तारीख को होने वाली अगली सुनवाई से पहले हम इन दस्तावेजों की जांच करेंगे। कोर्ट का यह फैसला काफी अहम है, क्योंकि यह हिरासत में लिए गए लोगों के उस अधिकार को बरकरार रखता है, जिसके तहत वे अपने ऊपर लगे आरोपों को जान सकते हैं और उन पर तर्कपूर्ण तरीके से अपना जवाब दे सकते हैं।

इससे एक दिन पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस के उस नोटिस को चुनौती देने वाली नेहा की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें 10,000 रुपए का निजी मुचलका और इतनी ही राशि का एक जमानती प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद शनिवार को नेहा बोरा ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष शांति मुचलका भरने से

योजना में स्मार्ट और टिकाऊ गतिशीलता समाधानों की कार्य योजना बनाई गई है। जिसमें स्वच्छ ईंधन का उपयोग, तकनीकी रूप से उन्नत परिवहन प्रणालियां, ट्रैफिक व पार्किंग प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शामिल है। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण के प्रस्ताव को मास्टर प्लान 2047 के प्रावधानों के अनुसार ही आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके जरिए दिल्ली में मेट्रो, रेल, बस के साथ सड़कों पर यातायात की बेहतर सुविधा विकसित होगी। यह प्राधिकरण गतिशीलता (मोबिलिटी) योजना को बनाएगा। इसके जरिए दिल्ली के व्यस्त सड़क मार्गों में जाम खत्म करने को लेकर भी प्लान बनेगा।



पोस्ट में दावा किया गया है कि मजिस्ट्रेट को सौरव दास के दिल्ली के निवासी होने, रेंट एंग्रीमेंट या लीज से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं सौंपा गया है। पोस्ट में दावा किया गया है कि सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास को मामले में दिल्ली के निवास का सबूत जमा करने के निर्देश जारी किए गए थे। सौरव दास ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों पर तंज कसते हुए कहा ये दक्षिणपंथी अंधभक्त जल्द ही यह साबित कर देंगे कि मैं नेपच्यून से आया हुआ कोई एलियन हूं! आपको बता दें कि पीस बॉन्ड की प्रक्रिया के बीच सौरव दास के

गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह 12वीं कक्षा की छात्रा थी। क्राइम सीन टीम मौके पर पहुंच गई है और सबूत जुटा रही है; मामले की जांच चल रही है। घटना की जानकारी मिलने पर दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद भी स्कूल में पहुंचे और उन्होंने कहा, ‘पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। स्कूल ने पुलिस को सभी सबूत दे दिए हैं। यह एक दुखद घटना है। जांच के बाद सारी जानकारी दी जाएगी। फायर ऑफिसर अनूप सिंह के अनुसार, मौके पर दमकल की एक गाड़ी पहुंची थी, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी। उन्होंने बताया, हमें सूचना मिली थी कि स्कूल के अंदर किसी ने आग लगा दी है। मौके पर पहुंचकर जब हम स्कूल के अंदर गए, तो एक छात्रा को पानी की टंकी के पीछे जली हुई हालत में पाया।

दिल्ली-एनसीआर

इनकार कर दिया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 के तहत 17 अक्टूबर को जारी पुलिस नोटिस में बोरा को 19 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश होने और वजह स्पष्ट करने को कहा गया था कि जांच की अवधि के दौरान शांति बनाए रखने के लिए उनसे 10,000 रुपये का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने के लिए क्यों न कहा जाए। बोरा को यह नोटिस 17 अक्टूबर को चुनौती देने वाली नेहा गया था, जब दिल्ली पुलिस ने बोरा को राजधानी में लहरा दो तिरंगा मार्च में शामिल होने के दौरान हिरासत में ले लिया था। यह प्रदर्शन मतदाता सुविधों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर सीईसी कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़ा था।

दिल्ली के एसआईआर में 47.6 लाख वोटर हटाए गए, लेकिन सिर्फ 2.5 लाख ने फॉर्म भर कहा- जोड़िए हमारा नाम

नई दिल्ली। दिल्ली में 31 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में हटाए गए नामों की संख्या और नाम जुड़वाने का आवेदन करने वालों की संख्या में बड़ा अंतर सामने आया है। 31 अगस्त से 22 अक्टूबर के बीच ढाई लाख लोगों ने फॉर्म 6 वाले आवेदन किए हैं जो हटाए गए नामों का केवल 5.27 फीसदी हिस्सा है। एसआईआर के दौरान 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 4.76 मिलियन (47.6 लाख) नाम हटा दिए गए थे। जिन लोगों ने फॉर्म 6 यानी नाम जुड़वाने का आवेदन किया है , उनमें सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिमी दिल्ली से और सबसे छोटा हिस्सा नई दिल्ली से आया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ऑफिस की ओर से बताया गया है कि, 22 अक्टूबर तक फॉर्म 6 के कुल 250,754 आवेदन मिले। इनमें से 20 सितंबर से 22 अक्टूबर के बीच, 158,470 लोगों ने आवेदन किए। आवेदन करने वालों में नए वोटर और वे लोग शामिल हैं जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटा दिए गए थे। है। इसके अलावा, 31 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले भी फॉर्म 6 के 212,400 आवेदन मिले थे। सीईओ ऑफिस ने बताया है कि जांच के दौरान 33 लाख लोगों के नाम पलंग किए गए थे। ये वे लोग थे जिनका या तो 2002 की वोटर लिस्ट से कोई लिंक नहीं था या उनके डेटा में गड़बड़ी पाई गई थी। इनमें से भी 29.5 लाख मामलों को भी सुलझा लिया गया है। ये नाम अब फाइनल वोटर लिस्ट का हिस्सा रहेंगे। अगर कोई फॉर्म 7 भरकर इन पर आपत्ति दर्ज करता है तो इनकी दोबारा जांच की जाएगी। सीआईओ कार्यालय ने बताया है कि सभी आवेदनों का निपटारा 30 नवंबर तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 4 दिसंबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। फॉर्म 6 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए किया जाता है। हालांकि चुनाव आयोग ने उन लोगों से भी ये फॉर्म भरने की अपील की है जिनमें एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे, ताकी वे नाम वापस लिस्ट में जोड़ सकें। दिल्ली के जिन इलाकों से सबसे ज्यादा फॉर्म 6 के आवेदन आए, उनमें तिलक नगर, जनकपुरी, राजौरी गार्डन और विकासपुरी शामिल हैं। यहां से कुल 30, 361 आवेदन मिले। इसके बाद उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के किराड़ी, रोहिणी और मंगोलपुरी में 25925 आवेदन मिले। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी, लक्ष्मी नगर और गांधी नगर से 24,200 आवेदन मिले। चौथ नंबर पर दक्षिण पूर्वी दिल्ली है। यहां के ओखला, कालकाजी और तुगलकाबाद से 4153 लोगों ने फॉर्म 6 भरा है। सबसे कम आवेदन नई दिल्ली से आए हैं। इनमें नई दिल्ली और दिल्ली कैंट इलाका शामिल है जहां केवल 4341 लोगों ने आवेदन किए हैं। पुरानी दिल्ली के बलीमाराज, मटिया महल, सदर बाजार और चांदनी चौक में 10,668 लोगों ने नाम जुड़वाने के आवेदन दिए हैं।

जल्द मुझे एलियन साबित कर देंगे; सीजेपी नेता सौरव दास ने आलोचकों को जमकर सुनाया

दिल्ली के पते की जांच की जा रही है। पीस बॉन्ड के कथित उल्लंघन से जुड़ी सुनवाई के दौरान स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने सौरव दास को दिल्ली में अपने वर्तमान आवासीय पते का प्रमाण साबित करने वाले दस्तावेज को पेश करने के लिए कहा है।

सुनवाई के दौरान सौरव दास के अलावा सीजेपी के नेता आशुतोष रांका भी कोर्ट में पेश हुए थे। इस दौरान स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (नई दिल्ली) ऋतु राज ने यह गौर किया कि अपने जमानतदारों के साथ पहुंचे दोनों नेताओं में से दास के जमा किए गए दस्तावेज यह

टाल दें 1 नवंबर को दिल्ली वाली रैली, व्यापारियों ने राहुल गांधी को लिखा लेटर नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को बड़ी रैली करने का ऐलान किया है। कांग्रेस की इस रैली से व्यापारी संगठनों ने बिजनेस को नुकसान पहुंचने की संभावना को देखते हुए इसे टालने का आग्रह किया है। इसके लिए चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे आग्रह किया है कि 1 नवंबर को होने वाली रैली को वो टाल दें।	उत्तर पश्चिम रेलवे ई-निविदा सूचना संख्या: बल्खू ए एजेंसी/ 2026-27 दिनांक: 21.10.2026 मंडल रेल प्रबन्धक (सिंगनवल व दूरसंचार) उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संख्या : मंत्र.प्र. (सिग व दूरसंचार)-11-2026-27 - पुनः निविदा कार्य का नाम : अजमेर डिवीजन-अजमेर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर DAC (MSDAC) के विभिन्न घटकों/भागों की विश्वनीयता सुधारने और रखरखाव/संचाल बनाए रखने के प्रावधान। अनुमानित लागत : रुपये 21752585.85 बयाना राशि : रुपये 435100.00 बयाना संख्या : मंत्र.प्र. (सिग व दूरसंचार)-43- 2026-27 कार्य का नाम : अजमेर डिवीजन – पारसल ऑफिसों AI-1, FA-1, BER-1, BHL-1, MJ-1, ABR-1 और UDDZ-1 पर बेगेज स्कैनर और कैमरा की सुविधा। अनुमानित लागत : रुपये 4464925.46 बयाना राशि : रुपये 89900.00 ई निविदाये खोलने की तिथि व समय : दिनांक 17.11. 2026 को 15.30 बजे उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट का पता www.IRPS.GOV.IN 1518-CQ/26
उत्तर पश्चिम रेलवे खुली ई-निविदा सूचना संख्या: एजेंसीए/ सीपीए/ जगपुर/ तिथि: 20/10/2026 संख्या: एजेंसीए/ सीपीए/ जगपुर/ तिथि: 20/10/2026 मुख्य परिचयनाना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जगपुर के द्वारा भारत संच के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निम्नलिखित प्रयत्नों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा संख्या / कार्य का नाम : गति-शक्ति/ इंजी./ जेपी/ 2026-27 / 08 उप मुख्य अभियंता (जी.एस.यू.) जगपुर – अलवर स्टेशन पर एक रनिंग लाइन से संबंधित ट्रेक का कार्य करना। अनुमानित लागत रुपये : 25570496.15 बयाना राशि रुपये : 5114000 / - 1. उपरोक्त निविदाओं की पूर्ण विवरण वेब साइट www.irps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड – मुख्य परिचयनाना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जगपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा स. गति-शक्ति/ इंजी./ जेपी/ 2026-27 / 08 की बन्द होने की तिथि 20.11.26 संपन्न 15.30 बजे एवं खुलने की तिथि 20.11.26 संपन्न 16.00 बजे। 1526-CQ/26	उत्तर पश्चिम रेलवे खुली ई-निविदा सूचना संख्या: एजेंसीए/ सीपीए/ जगपुर/ तिथि: 20/10/2026 संख्या: एजेंसीए/ सीपीए/ जगपुर/ तिथि: 20/10/2026 मुख्य परिचयनाना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जगपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा स. गति-शक्ति/ इंजी./ जेपी/ 2026-27 / 08 की बन्द होने की तिथि 20.11.26 संपन्न 15.30 बजे एवं खुलने की तिथि 20.11.26 संपन्न 16.00 बजे। 1526-CQ/26

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
संख्या: बल्खू ए एजेंसी/ 2026-27 दिनांक: 21.10.2026
मंडल रेल प्रबन्धक (सिंगनवल व दूरसंचार) उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संख्या : मंत्र.प्र. (सिग व दूरसंचार)-11-2026-27 - पुनः निविदा कार्य का नाम : अजमेर डिवीजन-अजमेर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर DAC (MSDAC) के विभिन्न घटकों/भागों की विश्वनीयता सुधारने और रखरखाव/संचाल बनाए रखने के प्रावधान। अनुमानित लागत : रुपये 21752585.85 बयाना राशि : रुपये 435100.00 बयाना संख्या : मंत्र.प्र. (सिग व दूरसंचार)-43- 2026-27 कार्य का नाम : अजमेर डिवीजन – पारसल ऑफिसों AI-1, FA-1, BER-1, BHL-1, MJ-1, ABR-1 और UDDZ-1 पर बेगेज स्कैनर और कैमरा की सुविधा। अनुमानित लागत : रुपये 4464925.46 बयाना राशि : रुपये 89900.00 ई निविदाये खोलने की तिथि व समय : दिनांक 17.11. 2026 को 15.30 बजे उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट का पता www.IRPS.GOV.IN 1518-CQ/26



एक नज़र

खादू श्याम से लौट रहे आगरा के 4 यूट्यूबर्स की मौत; कार का टायर फटने से हादसा, सदन में परिवार

खानऊ। जयपुर में खाटूश्याम दरबार का एकादशी लाइव प्रसारण के बाद घर लौटते आगरा के चार युट्यूबरों की सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 6.30 बजे दौसा-मनोहरपुर रेशनल हाईवे-148 पर रायसर के पास उनकी कार का पलटवार फट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इससे के बाद पंजुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। लाइव वर्षाण और उनके युट्यूबर दोस्तों ने ने छह घंटे पहले ही अपने युट्यूब चैनल पर खाटूश्याम मंदिर से लाइव प्रसारण किया था। दर्शन के बाद खाटू श्याम से रवाना होने से पहले उन्होंने गुरुवार रात को परिजनों से बात की थी। शुक्रवार सुबह घर पहुंचने के बारे में बताया था। चारों युट्यूबरों मित्रों के परिजन उनके घर आने की इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार सुबह सात बजे परिवारों को हादसे में उनकी मौत की खबर मिली तो परिजनों के घरों में मातम फैल गया। जानकारी मिलते ही परिजन घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। हादसे में मरने वालों में अतुल वर्षाणेश निवासी कटरा वजीर खान रामबाग, मुकुल जायसवाल, रुपेश जाटव एवं शिवा सिंह निवासी कालिंदी विहार थे। हादसे में अप्रति बंसल घायल हुए हैं। अतुल के भाई रोहित ने बताया कि सभी लोगों का फोटो स्टूडियो है। उन्होंने विवेकिंग हाईलाइट स्टूडियो के नाम से युट्यूब चैनल बना रखा है। जिस पर वह धार्मिक आयोजनों का प्रसारण करते थे। अतुल समेत सभी युट्यूबर साथियों ने इस बार एकादशी पर खाटू श्याम का लाइव प्रसारण करने की योजना बनाई थी। अतुल अपने भाई आकाश की कार से 21 अक्टूबर की शाम आठ बजे मित्रों संग खाटू श्याम के लिए निकले थे। गुरुवार की रात एक बजे उन्होंने अपने चैनल पर एकादशी का लाइव प्रसारण किया था। अतुल के परिवार में पत्नी सिम्मी के अलावा तीन बच्चे रुद्रांशी, शिवाख्या और तुषा हैं। अतुल ने तीनों बेटियों से जन्म होने ही घर लौटने का वादा किया था। शुक्रवार को तीनों बेटियां रुद्रांशी, श्याति और तुषा पिता के आने की बाट जोह रही थीं। परिवार के लोग उन्हें दिलासा दे रहे। परिवार के लोगों ने माता-पिता को भी अतुल की मौत की जानकारी नहीं दी थी। उन्हें यही बताया कि अतुल हादसे में घायल हो गए हैं। माता-पिता लगातार अतुल की हालत के बारे में पूछते रहे। शिवा सिंह, रुपेश और मुकुल जायसवाल के माता-पिता को भी हादसे में उनकी मौत की जानकारी तत्काल नहीं दी। सुबह सात बजे जयपुर पुलिस द्वारा हादसे की सूचना देने पर परिवार के लोग दोपहर में ही घटनास्थल पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद चारों के शवों को रात आठ बजे लेकर निकल लिए थे। घायल शिवाहुल और अप्रति को भी परिजन आगरा के लिए रवाना हो गए थे।

फ्रांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट
पहुंची मुस्कान और साहिल, मेरठ
कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

पाठ । यूपी के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड मामले में फांसी की सजा पा चुके मुस्कान और साहिल हाईकोर्ट पहुंचे हैं । उन्होंने मेरठ कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है दोनों ने फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है । सौरभ हत्याकांड मामले में कोर्ट ने दोनों को 14 अवटूबर को फांसी की सजा सुनाई थी । इसके बाद से ही दोनों ने फांसी के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया था । दोनों चाहते हैं कि निवृत्ती इदालत द्वारा सुनाए गए फांसी के फैसले को हाईकोर्ट रद्द कर दे । बाद में जिस शुकवार को मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुकला ने हाईकोर्ट में पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिका को नियुक्त किया था । वरिष्ठ जेल अधिकक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि जेल में बंद साहिल और मुस्कान को सुने से हाईकोर्ट में पैरवी के लिए वकील नियुक्त करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है । वकीलानामे पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और जिला इदालत के फैसले की प्रती भी अधिका को भेज दी गई है । मुस्कान ने अपनी दोनों बेटियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देकर माफी की मांग की है । 14 अक्टूबर को जिला जज मेरठ अरवि कुमार मिश्रा की अदालत ने कागित मुस्कान और सुनील के सुनियोजित हत्या को मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी । सजा वाले दिन सुबह दोनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश किया गया था । इसके बाद दोनों पक्ष के अधिकाओं ने करीब सवा घंटे कोर्ट में बहस हुई थी । शाम 4.15 बजे कोर्ट ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी । साथ ही दोनों पर एक लाख 40 हजार भारु रुपये का अर्बुद भी लगाया था । कोर्ट ने रज्जवार गीता का जिफ्र करतुए गए कहा था कि अपराधियों को अपराध के अनुरूप दंड देना भी धर्म है । फैसला सुनते ही दोनों फफफ कर पड़े थे ।

2027 में बनेगी इंडिया-गठबंधन की सरकार यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मोना का दावा



प्रदेश सरकार में मंत्री और कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता रह चुके प्रमोद तिवारी वर्तमान में राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता हैं। प्रमोद तिवारी के पिता और दादा भी कांग्रेस में सक्रिय रहे। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर

मोदी पर जादू-टोना श्मशान के पास मिली फोटो, रखे थे सुई चुने नीबू और सिंदूर, एकआईआर दर्ज
लखनऊ। यूपी के मऊ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के दोहरीघाट में श्मशान घाट के पास जमीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर मिली है। जिस स्थिति में पीएम मोदी की तस्वीर मिली है उसे देखकर लोगों के होश उड़ गए। तस्वीर के आसपास नारियल, नीबू, लाल धागा और सिंदूर भी रखा पाया गया। नीबू में बाकायदा सुई चुभाई गई है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हकगत में आई और अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला दोहरीघाट क्षेत्र के सरयू नदी के किनारे बने श्मशान घाट के पास का बताया जा रहा है। श्मशान घाट के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो मिली है। फोटो के आसपास नारियल, नीबू, सिंदूर और सुई जैसी चीजें दिख रही हैं जो सीधे तंत्रमंत्र की तर्फ इशारा करती हैं। फोटो के आसपास जिस तरह से इन चीजों को रखा गया है जिसे टोना-टोन्का से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि पीएम मोदी की फोटो के साथ इस तरह की हरकत किसने की है और इसके पीछे उसकी मंशा क्या है? इसको लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। श्मशान घाट के पास पीएम मोदी की तस्वीर के साथ मिली तंत्रमंत्र की सामग्री की वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वीडियो को लेकर लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। मामला पीएम मोदी से जुड़ा है तो इसको लेकर पुलिस-प्रशासन भी एक्टिव हो गया है। पुलिस ने तुरंत जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष दोहरीघाट रामायण सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वही, भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रम मौर्य ने कहा कि यह हरकत किसी अराजक तत्व ने की है। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। श्मशान घाट के किनारे सड़क पर पीएम मोदी की तस्वीर रखी है।

सीएम योगी ने सीआईडी से अपराधी विचार भी सीधे

वाजेशीट दायर किया गया था। तबसे वह जांच एजेंसियों को चक्का दे रहा था। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी), रांची की टीम ने 23 अक्टूबर को तड़के 2-40 बजे उसे गिरफ्तार किया। सीबीआई की ओर से लखनऊ चारबाग जीआरपी के थाना प्रभारी को भेजे गए पत्र में गिरफ्तारी की सूचना दी गई है। सीबीआई को गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि सत्येंद्र कुमार मध्याप्रदेश के गुना से ट्रेन में सवार हुआ है उत्तर प्रदेश की ओर आ रहा है। उसके लखनऊ आने की सूचना सीबीआई को मिली तो आनन फानन में एजेंसी एक्शन में आ गई। सीबीआई की टीम लखनऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई और सिविल ड्रेस में प्लेटफॉर्म पर मुस्तेद हो गई। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंची कि सीबीआई के अधिकारी ट्रेन में पहुंच गए और बोगी में ही आरोपी सत्येंद्र को पहचान लिया। सीबीआई ने वहीं से उसे कस्टडी में ले लिया।

सीएम योगी ने सीआईडी सीरियल याद दिलाया; बोले-
अपराधी कितना भी डीपफेक के पर्दे में छिपे, उसे ढूंढ लेंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन टेक संगम 2026 में अपने संबोधन में टीवी सीरियल सीआईडी जिक्र करते हुए कहा कि आपने एक जाड़ा होगा कि अपराधी कितना भी आतंकित हो, एक बाल, फिंगरप्रिंट या ग्रेटे से सुराग से पुलिस उस तक पहुंच जाती है। अब यहीं रील लाफ़्फ़ाउटर प्रेस में रियल लाइफ़ बन रही है। ऑर्डिनेशियल इंटीलेजेंस (आईओ) और डीपफेक के दौर में अपराधी तकनीक का कितना भी इर्द और लें, वैज्ञानिक साक्ष्य और फॉरेंसिक जांच के सहारे कानून के तंत्रों के जेजे से बच नहीं पाएंगे। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन को मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी मद्रदगार हो सकता है, लेकिन उससे निर्णायक नहीं बनने देना चाहिए। तकनीक का संश्लेषण मानव विवेक से होना चाहिए। पूरी तरह आईएफ़ पर निर्भरता भाविय में संकट पैदा कर सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, आधुनिक तकनीक और विश्विक प्रक्रिया के समन्वय से अपराधियों को तत्काल पकड़ने के साथ न्याय मिलने में होने वाली देरी भी कम की जा सकती है। सीएम योगी ने लोकप्रिय टीवी सीरियल CID का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले लोग टेलीविजन पर देखते थे कि पुलिस बाल या फिंगरप्रिंट के आधार पर

अपराधी तक कैसे पहुँचती है। आज फॉरेंसिक विज्ञान की मदद से ऐसी जांच वास्तविक जीवन में संभव हो रही है। डीपफेक और डिजिटल हेरफेर के दौर में भी वैज्ञानिक साक्ष्य अपराध की गुंथी सुलझाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने एक माफिया का उद्धारण दिया, जिसने 1980 में पहला अपराध किया था, लेकिन साक्ष्यों के अभाव और डीएनए सैपल नष्ट होने के कारण उसे 2022 में, यानी 42 साल बाद सजा मिल सकी। यह मामला बताता है कि समय पर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाना किना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सभी 18 पुलिस रेजों में फॉरेंसिक लैब विकसित की जा रही है। इनमें 12 तैयार हो चुकी हैं, जबकि छह अंतिम चरण में हैं। इसके अलावा 150 से अधिक फॉरेंसिक वैन तैनात की गई हैं। इनसे घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने और विवेचना को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। कार्यलय में योगी ने LEX सेंटर ऑफ एक्सप्लोरेशन शुभारंभ किया, कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया और अभ्यर्थियों परियोजना की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि न्याय और विज्ञान का समन्वय न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाएगा। न्याय मिलने में देरी का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने एक माफिया को मामले का जिक्र किया, जिसने वर्ष 1980 में पहला अपराध किया था।

जनगणना में महिलाओं को ही देने होंगे इन तीन सवालों के जवाब, उत्तर नहीं मिलने पर क्या होगा

लेखक हैं। जनगणना का लेकर प्रणाली का पहले बच को दो जा रहा ट्रैनिंग शुरूवार को खत्म हो गई। आखिरी दिन ट्रैनिंग में जो मुद्दा उठा उसने प्रणाली को कोई तरह के सवाल करने पर विवश कर दिया। दरअसल, जनगणना के 40 सवालों में तीन सवाल ऐसे हैं, जिनका जवाब घर की महिलाओं को ही देना है। ये तीनों सवाल फर्टिलिटी से जुड़े हुए हैं। इस पर फील्ड ट्रेनर ने प्रणाली को बताया कि यदि कोई महिला सामने आने से इनकार करती है या अन्य सदस्य उन्हें सामने नहीं आने देते हैं तो विवाद नहीं करना है। ऐसी स्थिति में जानकारी देने वाले व्यक्ति की सूचना को दर्ज कर लेना है और सूचना न दे तो फार्म में जानकारी देने से मना किया अंकित किया जाएगा। फील्ड ट्रेनर श्रवण जायसवाल ने बताया कि सर्वेटर चैंबर में 30 से 40 तक के सवालों के बारे में प्रणाली को जानकारी दी गई। सवाल नंबर 31 से 33 तक घर की महिलाओं को जवाब देने की बात बताई गई। सवाल 31- वरमान में जीवित बच्चों की संख्या। इसमें महिला को जन्मे बच्चों की संख्या बतानी होगी। अगर महिला ने दो शायदां की है तो पहले पति से संतान की गिनती भी उसी महिला की संतान में की जाएगी। दूसरे पति की पहले से कोई संतान है तो उसकी गिनती महिला के संतानों में नहीं होगी। सवाल 32 अब तक पैदा हुए बच्चों की संख्या इसमें महिला को उन बच्चों की भी संख्या बतानी होगी, जिनकी जन्म के बाद मौत हो गई। इसमें उन बच्चों की संख्या नहीं ली जाएगी जो मृतक ही पैदा हुए थे। 40 सवालों में इस बार लिव इन का भी प्रश्न है जनगणना में इस बार पुरुषों एवं महिलाओं की चार शायदी दर्शाने का विकल्प है, जबकि लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े शायदी से पहले ही वंशित माने जाएंगे। भारत सरकार के रामपत्र के अनुसार किसी भी जाति धर्म के लोग चार शायदी को जनगणना में दर्शा सकते हैं।

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले स्थित कुभी चीनी मिल परिसर में देश का पहला बायोप्लास्टिक प्लांट स्थापित होने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया अत्याधुनिक वेसल रिफ़क्टर आखिरकार चीनी मिल तक पहुंच गया। इस विशालकाय रिफ़क्टर को सुरक्षित रूप से मिल तक

पहुँचाने में करीब 15 करोड़ रुपये का भारी परिवहन खर्च आया है। मिल के अधिकारियों के अनुसार, संयंत्र में रिक्वेटर की स्थापना बेल्जियम की विशेषज्ञ कंपनी के इंजीनियरों की सीधी देखरेख में की जाएगी। इस तकनीकी प्रक्रिया के लिए बेल्जियम से इंजीनियरों का एक दल जल्द ही कुंभी चीनी मिल पहुंचेगा। इस रिक्वेटर को देखभाल के लिए गुरुवार को भी भारी भीड़ जमा रही। इसे बेहद सुरक्षित तरीके से मिल तक पहुंचाया गया। यहां यूनिट हेड ललित जैन, सीजीएम सुनील यादव ने इसे ला रहे कर्मचारियों पर श्रमिकों का स्वागत किया। रिक्वेटर को रखने के लिए पहले से स्थान तय किया गया है। यूनिट हेड ललित जैन ने बताया कि इस विशेष रिक्वेटर की मदद से लैक्टिक एसिड को पॉली लैक्टिक एसिड के दानों में परिवर्तित किया जाएगा। प्लांट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें गन्ने की खोई, शुगर

आर शरीर का कच्चे माल के तौर पर इस्तेमाल होगा। इससे पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल और बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक तैयार किया जाएगा, जो सामान्य प्लास्टिक की तरह प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। चीनी मिल के कै सीजीएल सुनील कुमार यादव ने बताया कि स्पेशल रिक्टर के आने का समीक्षा को बेवकूफ से इंतजार था। लगभग 6 महीने पूरे हो रहे हैं। इसमें शासन प्रशासन का बहुत बड़ा सहयोग रहा। अभी इसे ट्रक से उतारने में बड़ी क्रेनों की सहायता ली जाएगी। जिसमें लगभग चार घंटे का समय लगेगा। दो दिन में इसकी फिटिंग कर मशीनों से जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद अब कोई भारी समान आना शेष नहीं रह जाएगा है। आपको बता दें बायो-प्लास्टिक प्लांट स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। करीब 3,080 करोड़ रुपये के निवेश से तैयार हो रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। नवंबर में प्लांट चालू होने की उम्मीद है। इससे पहले जहाँ बेल्जियम से भारत लाया गया भारी-भरकम उपकरण खरीदी के कुंभी स्थित बलरामपुर चीनी मिल परिसर में पहुंचने की आँखिंम दहलीज पर था। तब 250 पहियों वाले इस विशालकाय हाइड्रोलिक ट्रेलर पर लदी मशीन को देखने के लिए रास्ते पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। बलरामपुर चीनी मिल्स की कुंभी इकाई में स्थापित होने वाले बायोप्लास्टिक प्लांट के लिए यह मशीन करीब 160 दिन के सफर के बाद जिले में पहुंची। ओडिशा के पारदीप बंदरगाह से 15 मई को रवाना हुआ यह भारी-भरकम कंसाइनमेंट ओडिशा, झारखंड और बिहार से होते हुए उत्तर प्रदेश पहुंचा।

महिलाओं को ही देना है। ये तीनों सवाल फर्टिलिटी से जुड़े हुए हैं। इस पर फील्ड ट्रेनर ने प्रणणों को बताया कि यदि कोई महिला सामने आने से इनकार करती है या अन्य सदस्य उन्हें सामने नहीं आने देते तो विवाद नहीं करना है। ऐसी स्थिति में जानकारी देने वाले व्यक्ति की सूचना को दर्ज कर लेना है और सूचना न दे तो फार्म में जानकारी देने से मना किया अंकित किया जाएगा। फील्ड ट्रेनर श्रवण जायसवाल ने बताया कि मई-जून वैबर्स में 30 से 40 तक के सवालों के बारे में प्रणणों को जानकारी दी गई। सवाल नंबर 31 से 33 तक घर की महिलाओं को जवाब देने की बात बताई गई। सवाल 31- वर्तमान में जीवित बच्चों की संख्या। इसमें महिला को जन्मे बच्चों की संख्या बतानी होगी। अगर महिला ने दो शादियां की हैं तो पहले पति से संतान की गिनती भी उसी महिला की संतान में की जाएगी। दूसरे पति की पहले से कोई संतान है तो उसकी गिनती महिला के संतानों में नहीं होगी। सवाल 32 अब तक पैदा हुए बच्चों की संख्या। इसमें महिला को उन बच्चों की भी संख्या बतानी होगी, जिनकी जन्म के बाद मौत हो गई। इसमें उन बच्चों की संख्या नहीं ली जाएगी जो मृतक ही पैदा हुए थे। 40 सवालों में इस बार लिव इन का भी प्रश्न है। जनगणना में इस बार पुरुषों एवं महिलाओं की चार शादी दर्शाने का विकल्प है, जबकि लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े शादी से पहले ही दंपति माने जाएंगे। भारत सरकार के राजपत्र के अनुसार किसी भी जाति धर्म के लोग चार शादी को जनगणना में दर्शा सकते हैं।



सोशल मीडिया

सोशल मीडिया से ब्रेक के बाद अमिताभ बच्चन फिर एक्टिव



सोशल मीडिया से ब्रेक लेने की बात कहने के एक दिन बाद अमिताभ बच्चन फिर लौट आए हैं। उन्होंने शुक्रवार, 23 अक्टूबर को ब्लॉग पोस्ट लिखी। अमिताभ ने ब्लॉग पर लिखा, “अभी और आराम चाहिए... खुद को ढाल रहा हूँ... सोच रहा हूँ और हैरान हूँ... इसानी शरीर और इसकी अनोखी प्रकृति।” वहीं, उन्होंने एक्स पर भी लिखा, “चलो।” अमिताभ ने इससे एक दिन पहले सोशल मीडिया से दूर रहने की वजह बताई थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें कुछ दिन आराम करने और स्वस्थ होने के लिए समय लेने की सलाह दी गई है।

अमिताभ हाल ही में 84 साल के हुए हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने बताया था कि कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग के दौरान उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी। अमिताभ ने एक्स पर चार दिन की चुप्पी के बाद माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, “माफी चाहता हूँ। मैं आपसे माफी मांगता हूँ। मुझे कुछ दिनों



के लिए आराम करने और स्वस्थ होने का समय लेने की सलाह दी गई है। इसलिए मैं कुछ नहीं लिख पा रहा हूँ।” **कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर क्या हुआ:** कौन बनेगा करोड़पति के एक एपिसोड के दौरान अमिताभ ने बताया था कि शो की शूटिंग के समय उनका पैर फिसल गया था। गिरने से उनके बाएं घुटने में चोट लगी और उन्हें खड़े होने में परेशानी हुई। इसके बाद उन्होंने सेट के बीच खड़े होकर बोलने के बजाय बैठकर अपना शुरुआती मोनोलॉग दिया। हालांकि, उन्होंने दर्शकों को भरोसा दिलाया था कि चोट सीरियस नहीं थी।

जस्टिन बीबर की एक्स गर्लफ्रेंड सहारा रे का निधन

ऑस्ट्रेलिया की मशहूर मॉडल और स्विमवियर डिजाइनर सहारा रे का 34 साल की उम्र में निधन हो गया। पॉप सिंगर जस्टिन बीबर के साथ कथित रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रही सहारा के निधन की खबर से उनके प्रशंसकों और करीबियों में शोक की लहर है। खास बात यह है कि उन्होंने इसी साल जनवरी में एक बेटी को जन्म दिया था। उनके निधन के बाद नन्ही बेटी को लेकर

प्रशंसक भावुक हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सहारा रे ने 18 अक्टूबर 2026 को अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने उनके निधन की पुष्टि की है। बताया गया कि आखिरी समय में परिवार के सदस्य उनके साथ मौजूद थे। हालांकि, फिलहाल उनकी मौत की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। सहारा रे ने जनवरी 2026 में बेटी स्नो को जन्म दिया था। वह सोशल

मीडिया पर अपनी बेटी के साथ बिताए पलों को साझा करती थीं। उनकी आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट भी बेटी के नाम थी, जिसमें उन्होंने उसे अपना पूरा दिल बताया था। यह पोस्ट अब उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। सहारा रे ने मॉडलिंग के साथ स्विमवियर डिजाइनिंग में भी अपनी पहचान बनाई थी। उन्होंने ‘सहारा रे स्विम’ नाम से अपना ब्रांड शुरू किया था। साल 2016

में जस्टिन बीबर के साथ हवाई में छुट्टियां बिताने के दौरान उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई थीं। उनका नाम ऑस्ट्रेलियाई गायक कोडी सिम्पसन और संगीतकार मॉड सन के साथ भी जुड़ चुका था। सहारा रे ने वर्ष 2024 में खुलासा किया था कि वह गिलेन-बैरे सिंड्रोम नामक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी से जूझ रही थीं।

वामिका गब्बी से कहा गया- ‘तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा’



एक वक्त वामिका गब्बी को लगता था कि शायद वे एक्टिंग के लिए नहीं बनी हैं। लगातार रिजेक्शन मिल रहे थे और अच्छे रोल नहीं मिल रहे थे। मुंबई में करीब 6-7 साल बिताने के बाद भी करियर उस मुकाम पर नहीं पहुंचा था, जिसका उन्होंने सपना देखा था।

एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनसे कहा गया कि अपने हुनर पर काम करो, क्योंकि तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा। इसी बीच नेटफ्लिक्स की दो सीरीज- ‘बाहुबली: बिफोर द बिगिनिंग’ और ‘मिडनाइट्स चिल्ड्रन’ से जुड़ने का मौका मिला, लेकिन दोनों प्रोजेक्ट पढ़ें तक नहीं पहुंच पाए। हालांकि, एक अधूरी सीरीज ने उनके करियर की दिशा बदल दी।

विशाल भारद्वाज की वर्कशॉप ने उन्हें एक्टिंग का नया नजरिया दिया, जबकि विक्रमादित्य मोटवानी की ‘जुबली’ से उन्हें हिंदी दर्शकों के बीच पहचान मिली। आज वामिका बड़े सितारों के साथ फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आ रही हैं।

बचपन में कैमरे के सामने आईं, ‘जब वी मेट’ से शुरू हुआ सफर

वामिका गब्बी का जन्म 29 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ। उनके पिता गोवर्धन गब्बी पंजाबी लेखक हैं। साहित्य और कला के माहौल में पली-बढ़ी वामिका को बचपन से अभिनय में दिलचस्पी थी। उनके पिता मजाक में उन्हें ड्रामेबाज कहते थे।

2007 में रिलीज इमियाज अली की फिल्म ‘जब वी मेट’ वामिका के करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल थी। फिल्म में साहिद कपूर और करीना कपूर लीड रोल में थे। वामिका ने करीना के किरदार गीत की कर्जान का छोटा-सा रोल निभाया

था। वामिका ने बताया था कि ‘जब वी मेट’ की शूटिंग के दौरान वे आठवीं क्लास में थीं। फिल्म के निर्देशक इमियाज अली आज भी उन्हें ‘छोटी वाली’ कहकर बुलाते हैं। उन्होंने बताया कि इमियाज ने ‘जुबली’ देखकर उनके अभिनय की तारीफ की, तो यह उनके लिए बेहद खास पल था।

पहली फिल्म में छोटा रोल मिलने के बाद वामिका ने अभिनय जारी रखा। वे ‘लव आज कल’ (2009), ‘मौसम’ (2011) और ‘बिटू बॉस’ (2012) में नजर आईं। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें करियर को नई ऊंचाई देने वाली पहचान नहीं मिली।

‘तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा’, कम उम्र में सुननी पड़ी यह बात: वामिका के शुरुआती करियर का एक किस्सा उनके संघर्ष को दिखाता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि शुरुआती फिल्मों में से एक की शूटिंग के दौरान उनकी उम्र करीब 16-17 साल थी। पूरी टीम डिनर के लिए बैठी थी। तभी एक शख्स उनके पास आया और कहा- अपने क्राफ्ट पर काम करो, अच्छी एक्टर बनना, क्योंकि तुम्हें कोई हीरोइन तो लेगा नहीं। कम उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले किसी भी कलाकार के लिए भविष्य को लेकर ऐसी टिप्पणी सुनना आसान नहीं होता। वामिका की कहानी ऐसे बयानों तक सीमित नहीं है। करियर में कई बार उन्हें अपने काम पर दोबारा विचार करना पड़ा। कभी सही रोल नहीं मिले, तो कभी अच्छे प्रोजेक्ट्स बनने से पहले ही बंद हो गए। कई बार उन्हें लगा कि शायद वे सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने अभिनय जारी रखा। छोटे रोल से शुरुआत कर अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया और फिर हिंदी सिनेमा में लीड रोल हासिल किया।

पंजाबी फिल्मों से पहचान मिली, साउथ सिनेमा में भी आजमाया हुनर: हिंदी फिल्मों में शुरुआती काम के बाद वामिका ने पंजाबी सिनेमा में जगह बनाने की कोशिश की। 2013 में रिलीज पंजाबी फिल्म ‘तू मेरा 22 मैं तेरा 22’ में वे नजर आईं। फिल्म में उनके साथ अमरिंदर गिल और यो यो हनी सिंह थे। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्मों में लगातार काम किया।

वामिका ने ‘इश्क ब्रांडी’, ‘निका जैलदार 2’ और अन्य पंजाबी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान मजबूत की। उन्होंने तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में भी काम किया। तमिल फिल्म ‘मलाई नेरथु मयक्कम’ और मलयालम फिल्म ‘गोधा’ उनके क्षेत्रीय सिनेमा के सफर की अहम फिल्में हैं।

दिलजीत दोसांझ बोले- 30 को दिल्ली में मिलुंगा



पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ का 30 तारीख को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाला कॉन्सर्ट अब तय है। परमिशन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच दिलजीत ने खुद सामने आकर साफ कर दिया है कि शो रद्द नहीं होगा। वह दिल्ली में अपने फैस से मिलेंगे। शुक्रवार देर रात इंस्टाग्राम पर लाइव आकर दिलजीत ने अपने अंदाज में उन लोगों पर निशाना साधा, जो बिना पुष्टता जानकारी के अफवाहें फैला रहे थे।

बन गई रील्स, हो गए टवीट्स: हाथ में गर्म पानी का कप लिए दिलजीत ने सुबह-सुबह फैस से जुड़ते हुए कहा कि आज बहुत अच्छा दिन है। किन्ती अच्छी वाइब्स आ रही हैं। मुझे बस यह मूछना था कि क्या बन गई आपकी रील्स, हो गए आपके टवीट्स और न्यूज रूम की डिबेट्स?

बिना सोचे-समझे हवा में तीर मत चलाओ: दिलजीत ने कहा कि पहले न्यूज पता कर लिया करो। हवा में तीर (कच्चे धुरें) मारने से बेहतर है असली बात का पता लगा लिया जाए। ऐसे ही डिबेट पर डिबेट किए जा रहे हैं। न्यूज वाले भी बिना असलियत जाने बस मौके पर चौका मारने के लिए बैठे हैं। मैं आ गया हूँ, 30 को दिल्ली में मिलेंगे: कैसिलेशन की अफवाहों को खारिज करते हुए दिलजीत ने साफ कर दिया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उनका शो तय समय पर ही होगा। मुस्कुराते हुए उन्होंने फैस को कन्फर्म किया कि मैं आ गया हूँ और 30 को दिल्ली में मिलते हैं। लाइव खत्म करते हुए उन्होंने फैस को आई लव यू कहा।

परमिशन को लेकर क्यों हुआ विवाद: दिल्ली पुलिस ने 22 अक्टूबर को सुरक्षा संबंधी इनपुट, त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों और भीड़ प्रबंधन की चिंताओं के कारण अनुमति देने से इनकार किया था। इसके बाद आयोजकों ने पुलिस के साथ बैठक कर अतिरिक्त सुरक्षा, ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन की योजना पेश की, जिसके बाद अनुमति मिल गई।

सुरक्षा के क्या इंतजाम होंगे कॉन्सर्ट में करीब 1,500 से 2,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और स्टेडियम के आसपास 500 से 700 मीटर तक नो-कार जोन बनाने की योजना बताई गई है। प्रवेश और निकास के रास्तों, पार्किंग तथा पैदल यात्रियों की आवाजाही पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। हालांकि अंतिम व्यवस्था में बदलाव संभव है।

‘मातृभूमि’ को रक्षा मंत्रालय की मंजूरी नहीं

सलमान खान की फिल्म ‘मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस’ की रिलीज पर संकट बना हुआ है। अक्टूबर की शुरुआत में रक्षा मंत्रालय के लिए फिल्म की दूसरी स्क्रीनिंग हुई थी, लेकिन अब तक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) नहीं मिला है। इसके बिना मेकर्स सेंसर बोर्ड से प्रमाणन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा सकते। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी असमंजस बना हुआ है।

फिल्म पहले ‘बैटल ऑफ गलवान’ नाम से बनाई जा रही थी। इसकी कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय के सुझावों के बाद फिल्म के कुछ हिस्से दोबारा शूट किए गए और संशोधित संस्करण की स्क्रीनिंग कराई गई। इसके



बावजूद अंतिम मंजूरी का इंतजार है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली स्क्रीनिंग में रक्षा मंत्रालय ने कुछ बदलाव सुझाए थे। इसके बाद फिल्म की टीम ने सुझावों के आधार पर कुछ दृश्य दोबारा शूट किए और कहानी की प्रस्तुति में भी बदलाव किए। अक्टूबर की शुरुआत में फिल्म का संशोधित संस्करण मंत्रालय के सामने पेश किया गया। इस स्क्रीनिंग में सलमान खान, निर्देशक अपूर्व लाखिया और उनकी टीम शामिल थी। हालांकि, दूसरी स्क्रीनिंग के बाद भी मेकर्स को मंत्रालय की अंतिम मंजूरी नहीं मिली है। इस घटनाक्रम से फिल्म की रिलीज योजना प्रभावित हो सकती है। मेकर्स के लिए फिलहाल जरूरी है कि रक्षा मंत्रालय से NOC मिल जाए, ताकि आगे की औपचारिकताएं पूरी हो सकें।

बेटी के जन्म के 36 दिन बाद शूटिंग करेंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी दूसरी बेटी के जन्म के महज 36 दिन बाद काम पर लौटने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट वैरायटी के अनुसार, दीपिका 26 अक्टूबर से शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म ‘किंग’ के गाने की शूटिंग शुरू करेंगी। 19 सितंबर 2026 को अपनी दूसरी बेटी के स्वागत के बाद यह दीपिका का पहला शूटिंग शेड्यूल होगा। दीपिका और रणवीर ने अपनी दूसरी बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह रखा है।

मुंबई में गाने से होगी कमबैक की शुरुआत: रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान मुंबई में फिल्म ‘किंग’ के लिए एक बड़े पैमाने पर बनने वाले गाने की शूटिंग करेंगे। इस गाने में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट नजर आ सकती है। वैभवी मचैट इस गाने को कोरियोग्राफ कर रही हैं, हालांकि गाने के टाइटल और संगीतकार के बारे में अभी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

शाहरुख और दीपिका की ऑन-स्क्रीन छठी फिल्म: ‘किंग’ के साथ शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की ऑन-स्क्रीन जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के सामने होगी। दोनों ने पहली बार साल 2007 में फराह खान की फिल्म ‘ओम शांति ओम’ में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों ‘चेन्नई एक्सप्रेस’, ‘हैप्पी न्यू ईयर’, ‘पठान’ और ‘जवान’ जैसी हिट फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। ‘किंग’ दोनों की साथ में छठी फिल्म होगी। 19 सितंबर को हुआ था दूसरी बेटी का जन्म: दीपिका पादुकोण



और रणवीर सिंह 19 सितंबर 2026 को दूसरी बार माता-पिता बने हैं। इससे पहले सितंबर 2024 में उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म हुआ था। दोनों ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में शादी की थी। दोनों ने अपनी दूसरी बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह रखा है। 450 करोड़ का बजट, 24 दिसंबर को रिलीज की तैयारी फिल्म ‘किंग’ का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसका अनुमानित बजट करीब 450 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में शाहरुख और दीपिका के अलावा सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, अभय वर्मा और अरशद वारसी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा करीना कपूर खान के भी डांस नंबर में नजर आने की चर्चा है। फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



एक नज़र

वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते ही रचा इतिहास, सचिन तेंदुलकर भी छूटे पीछे

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड 5 मैच की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज यानी शनिवार, 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस मैच में भी टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी है। प्लेइंग इलेवन देख भारतीय फैन में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, क्योंकि इस बार वैभव सूर्यवंशी को खेलने का मौका मिला। ईशान किशन पहले टी20 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिस वजह से उन्हें दूसरे मुकाबले से बाहर होना पड़ा। वैभव उनकी जगह टीम में आए हैं और नंबर–3 पर बैटिंग करेंगे। वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। आज वैभव सूर्यवंशी 15 साल 211 दिन की उम्र में न्यूजीलैंड में इंटरनेशनल मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बालादेशी मोहम्मद शरीफ का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्होंने 18 दिसंबर 2001 को हैमिल्टन टेस्ट में 16 साल 6 दिन की उम्र में न्यूजीलैंड में मैच खेला था। वहीं आकिब जावेद (16 साल 185 दिन) और सचिन तेंदुलकर (16 साल और 284 दिन) उनके बाद इस लिस्ट में शामिल हैं। श्रेयस अय्यर ने टॉस के दौरान कहा, हम पहले बॉलिंग करेंगे। ओस एक वजह है। यह अच्छा रहा, टीम होने और नींद पूरी करने के लिए कुछ समय मिला। हर कोई अच्छी शेप और जगह में है। अग्रेसन बनाए रखना जरूरी है, लेकिन हमें प्रोएक्टिव रहना होगा और यह पक्का करना होगा कि हमें अंदर एक एक्स्ट्रा फील्डर की जरूरत न पड़े। दो बरलाव- ईशान चोटिल है, वैभव अंदर है और वह 3 नंबर पर बैटिंग करेंगा। मयंक की जगह प्रिंस है – एक टैटिकल बदलाव। न्यूजीलैंड फिंन एलन, टिम सीफर्ट (विकेट कीपर), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, जैकब डफ़ी, लॉकी फर्ग्युसन इंडिया (प्लेइंग इलेवन): संजू सैमसन (विकेट कीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव

भारतीय क्रिकेटर ने 30 साल की उम्र में लिया संन्यास, शेयर किया इमोशनल पोस्ट

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एस मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। आंध्र प्रदेश की 30 साल की इस खिलाड़ी नवंबर 2022 में आखिरी बार भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी और गुजरात जायंट्स के लिए खेल चुकी है। मेघना ने वर्ष 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। मेघना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करते हुए मेरा दिल कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ है। भारत के लिए तीन वनडे और 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, मैदान मेरे लिए दूसरे घर की तरह रहा है। इसने मुझे विपरीत परिस्थितियों में उठे रहना और विमन भरे रहना सिखाया। इसने मुझे ऐसी यादें और दोस्त दिये हैं जिन्हें मैं जीवनभर संजोकर रखूंगी। उन्होंने लिखा, भले ही क्रिकेट खेलने के मेरे दिन अब समाप्त हो गए हैं, लेकिन इस खेल से मेरा रिश्ता कभी नहीं टूटेगा। मैं हमेशा क्रिकेट से जुड़ी रहूंगी। मेरा इरादा अपना जीवन इस खेल को कुछ लौटाने, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने और उस खेल की सेवा में समर्पित कर का है, जिसने मुझे सब कुछ दिया है। आंध्र प्रदेश की क्रिकेटर मेघना ने नवंबर 2016 में विजयवाड़ा में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी 20 मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस मुकाबले में उन्होंने 16 गेंदों पर 17 रन बनाए थे, लेकिन भारत को 31 रन से हार मिली थी। इसके छह साल बाद उन्होंने अपना पहला वनडे मुकाबला खेला। उन्होंने दोनों ही प्रारूपों में एक–एक अर्धशतक लगाया है। उनका वनडे डेब्यू फरवरी 2022 में क्वीन्सटाउन में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुआ। उस मैच में वह 14 गेंदों पर चार रन बनाकर आउट हो गई थीं। हालांकि, सीरीज के अगले दो मैचों में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और 50 गेंदों पर 49 रन और 41 गेंदों पर 61 रन बनाए। हालांकि, न्यूजीलैंड दौरे पर खेले गए ये तीन वनडे ही इस प्रारूप में उनकी अंतिम अंतरराष्ट्रीय सीरीज रहे। इन मैचों में उन्होंने कुल 114 रन बनाए। 17 टी 20 में मेघना ने 102.78 के स्ट्राइक रेट से 258 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। मेघना ने डबल्यूपीएल में तीन सीजन खेले। शुरुआत में वह गुजरात जायंट्स के लिए खेलीं और फिर दो साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा रही। 2024 में वह ख़िताब जीतने वाली टीम की सदस्य भी थीं।

नई दिल्ली

नई दिल्ली। लॉस एंजलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए कालीफायर जनवरी-फरवरी 2028 में होंगे। महिला और पुरुष दोनों के लिए ओलंपिक कालीफायर को वैश्विक प्रतियोगिताओं की सूची में शामिल किया गया है जिसे आईसीसी ने दुबई में अक्टूबर में हुई बैठकों के बाद अपने सदस्य बोर्डों के साथ साझा किया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2029 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल आठ से 12 जून तक इंग्लैंड में होगा। इन टूर्नामेंटों के साथ-साथ 2028 में होने वाले पुरुष और महिला टी–20 विश्वकप की तारीखें उस ग्लोबल इवेंट लिस्ट का

तिलक वर्मा ने न्यूजीलैंड के मुंह से छीन ली जीत, आखिरी ओवर में चरम पर था मैच का रोमांच

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी–20 सीरीज का दूसरा मुकाबला भी समाप्त हो गया है। क्राइस्टचर्च में शनिवार, 24 अक्टूबर को खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और सिर्फ एक गेंद शेष रहते भारत ने इस मैच को 4 विकेट से अपने नाम किया। एक वक्त तक लग रहा था कि भारत इस मुकाबले को हार जाएगा और न्यूजीलैंड को टीम हावी है, लेकिन तिलक वर्मा ने कीवियों के मुंह से जीत छीन ली। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाए और मेन इन ब्लू के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा। भारत ने इस लक्ष्य को 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह मैच आखिरी पलों में काफी रोमांचक रहा। पूरी कहानी पढ़िए। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम शुरुआत तो अच्छी रही और पहला विकेट 40 के स्कोर पर गिरा, लेकिन उसके बाद एक–एक करके विकेटों के गिरने की झड़ी लग गई। भारत का दूसरा विकेट 44, तीसरा 56, चौथा 69 और पांचवां 70 रनों के स्कोर पर गिर चुका था। यहां तक की 6वां विकेट भी टीम इंडिया का 112 के स्कोर पर नमन धीर के रूप में गिर गया। नमन के आउट होने के बाद टीम इंडिया के जीतने की संभावनाएं कम हो गई थीं। विन प्रिडिवटर न्यूजीलैंड के फेवर में थे। भारत को बची 31 गेंदों में 69 रनों की



दरकार थी और चार विकेट शेष थे। तिलक वर्मा तब 9 गेंदों में 10 रन बनाकर खेल रहे थे। सारी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी क्योंकि वे टीम के निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 180 रन बनाए और मेन इन ब्लू के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा। भारत ने इस लक्ष्य को 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह मैच आखिरी पलों में काफी रोमांचक रहा। पूरी कहानी पढ़िए। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम शुरुआत तो अच्छी रही और पहला विकेट 40 के स्कोर पर गिरा, लेकिन उसके बाद एक–एक करके विकेटों के गिरने की झड़ी लग गई। भारत का दूसरा विकेट 44, तीसरा 56, चौथा 69 और पांचवां 70 रनों के स्कोर पर गिर चुका था। यहां तक की 6वां विकेट भी टीम इंडिया का 112 के स्कोर पर नमन धीर के रूप में गिर गया। नमन के आउट होने के बाद टीम इंडिया के जीतने की संभावनाएं कम हो गई थीं। विन प्रिडिवटर न्यूजीलैंड के फेवर में थे। भारत को बची 31 गेंदों में 69 रनों की

तिलक वर्मा ने रचा इतिहास, बनाया एक साल में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। तिलक वर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में दो कैच पकड़के इतिहास रच दिया। उन्होंने इन दो कैचों के साथ एक कैलेंडर इयर में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच पकड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। तिलक ने मैच का पहला का दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी के दौरान पकड़ा। ओवर की तीसरी गेंद पर टिम साइफर्ट ऑन साइड पर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, मगर वह गेंद को सही से कनेक्ट नहीं कर पाए। तिलक वर्मा ने उनका शानदार कैच पकड़ 7 के निजी स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखाया। तिलक ने पारी का दूसरा कैच अगले ही ओवर में डेरेल मिशेल का लिया। भुवनेश्वर कुमार के ओवर की आखिरी गेंद पर मिशेल ने कवर्स की दिशा में शॉट लगाया, मगर वहां तैनात तिलक ने कैच पकड़ उन्हें 6 के निजी स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखाया। तिलक वर्मा अब एक कैलेंडर इयर यानी एक साल

में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा 26 कैच पकड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंडोनेशिया के डेनिलसन हावो के नाम था, जिन्होंने पिछले साल यानी 2025 में 25 कैच लिए थे। वहीं यूरपई के मोहम्मद वसीम ने 2024 में 24 कैच पकड़े थे। टी20 में एक कैलेंडर साल में फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच 26 – तिलक वर्मा (IND) 2026 में 25 – डेनिलसन हावो (इंडोनेशिया) 2025 में ,24 – मोहम्मद वसीम (UAE) 2024 में,21 – शर्विन मुनियांडी (मलेशिया) 2025 में, 20 – ब्रायन मसाबा (युगांडा) 2023 में 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे भुवनेश्वर कुमार को पहले विकेट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी वापसी हुई, मगर मैच बारिश की वजह से धुलने के कारण उन्हें गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला।

अभिषेक शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, पावरप्ले में 100 छक्के जड़ने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बने

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन एक छक्का लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह टी20 इंटरनेशनल में 1–6 ओवर में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने हाल ही में रोहित शर्मा को इस लिस्ट में पीछे छोड़ा था। अभिषेक शर्मा ने क्राइस्टचर्च में खेले गए दूसरे मुकाबले में 21 गेंद में 27 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा के बेहतरीन अर्धशतक और उनकी नीतीश कुमार रेड्डी के साथ सातवें विकेट के लिए 69 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी 20 में एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2–0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम टी20 इंटरनेशनल में 1–6 ओवर के बीच सर्वाधिक छक्के मारने का



रिकॉर्ड है। उन्होंने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में एक छक्का लगाकर अपना 100वां छक्का पूरा किया। उपलब्ध अंकन के मुताबिक वह टी20 इंटरनेशनल में 1–6 ओवर के बीच में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। अभिषेक लगभग हर 8वीं गेंद पर इस दौरान छक्का जड़ते हैं, जिसके कारण पावरप्ले में गेंदबाज उनके आगे आने से खोफ खाते हैं। रोहित शर्मा इस

हिस्सा हैं, जिसे आईसीसी ने दुबई में अक्टूबर में हुई बैठकों के बाद अपने सदस्य बोर्डों के साथ साझा किया था। कुल मिलाकर, 2027 और 2031 के वनडे वर्ल्ड कप के बीच (कालीफायर सहित) पुरुषों के 12, महिलाओं के 7 और अंडर–19 के 5 इवेंट तय किए गए हैं। आईसीसी ने 2021 में ही कई बड़े इवेंट्स को अंतिम रूप दे दिया था, और अब कई अन्य टूर्नामेंटों की तारीखें भी तय कर दी गई हैं, हालांकि कुछ चीजें अभी भी स्पष्ट होनी बाकी हैं। महिला वर्ग में, ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन ने अपने-अपने महाद्वीपों से सबसे ऊंची रैंकिंग वाली पात्र टीमों के रूप में कालीफाई कर लिया है (यह इस

साल की शुरुआत में हुए टी–20 विश्व कप में उनके प्रदर्शन पर आधारित है)। वहीं, पुरुष वर्ग में, 31 दिसंबर 2026 तक आईसीसी टी–20 रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली चार टीमों-अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया से- अपनी जगह पक्की करेंगी। बाकी बची दो जगहों के बारे में, आईसीसी ने जून में कहा था कि मेजबान होने के नाते अमेरिका पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकता है, बशर्ते वे 30 जून 2026 से 31 दिसंबर 2026 के बीच किसी भी समय अपनी- अपनी टी–20 रैंकिंग में शीर्ष 15 टीमों में शामिल हों। अमेरिका की पुरुष टीम अभी 13वें नंबर पर है, जिससे उनका

ओलंपिक में सीधा प्रवेश पक्का हो गया है, लेकिन आईसीसी के नए कालीफिकेशन नियमों के अनुसार, महिला टीम के बाहर होने का खतरा बना हुआ है। आईसीसी ने पहले ओलंपिक कालीफायर के लिए 2027 का समय सोचा था, लेकिन अब इन्हें 2028 की शुरुआत में शिफ्ट कर दिया गया है। यह लॉस एंजिल्स 28 गेम्स (ओलंपिक) शुरू होने से 6 महीने से भी कम समय पहले होगा, 1904 के बाद यह पहला ओलंपिक है जिसमें क्रिकेट को शामिल किया गया है। ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली 6 टीमों के लिए शेड्यूल और टूर्नामेंट का ढांचा जून में ही जारी कर दिया गया था, लेकिन अब आईसीसी ने महिला वर्ग में मेजबान

देश अमेरिका की सीधी एंट्री के लिए योग्यता मानदंड को अपडेट कर दिया है। आईसीसी ने अभी तक पुरुष और महिला ओलंपिक कालीफायर के लिए स्थान तय नहीं किए हैं। इनमें आठ–आठ देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन आईसीसी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर करेगा। इन आठ टीमों में (ऑटोमैटिक कालीफाई में तीसरे स्थान पर रहेगी। 2028 में होने वाले महिला ओ पुरुष टी–20 वर्ल्ड कप – जो क्रमशः पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड में खेले जाने हैं –

अर्शदीप सिंह ने ध्वस्त किया भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड, भारत के लिए 1 कैलेंडर इयर में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाले बने

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी–20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का दूसरा मुकाबला आज, शनिवार, 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा।

भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट हासिल किए। वे इस मुकाबले में अच्छी लय में नजर आए और अपने कोर्ट के चार ओवरों में गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल किए। इन दो विकेटों के साथ उन्होंने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वे टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक कैलेंडर इयर में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया है। भूवी ने साल 2022 में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था, लेकिन उसे अर्शदीप सिंह ने साल 2026 में तोड़ दिया है। एक कैलेंडर इयर में टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अब अर्शदीप सिंह पहले स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने साल 2026 में अब तक कुल 38 विकेट हासिल कर लिए हैं, जो एक कैलेंडर इयर में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने पर

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को वंडेदरा में दूसरे वनडे में उतरेगी तो उसका इरादा स्थूला में 2 .0 से अजेय बढ़त बनाने पर लगी होगी। टी20 सीरीज 3 .0 से जीतने के बाद भारत ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराया। स्पिनर श्रीचरणी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट लिये जबकि प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन बनाये। पिच से मदद नहीं मिलने के बावजूद चरणी ने बेहद अनुशासित गेंदबाजी की। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी तीन विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने जिम्बाब्वे के

को 197 रन पर आउट कर दिया और 22 ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम संयोजन पर काम कर रहे भारतीय टीम प्रबंधन के लिये प्रतिका की पारी राहत की बात रही जिन्होंने बेहद आक्रमक बल्लेबाजी की। उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिये 94 रन जोड़े और प्रति ओवर दस की औसत से रन बनाये। शेफाली वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी भी की और टीम को 9 विकेट से जीत दिलाते में अहम भूमिका निभाई। भारत को अपनी फील्डिंग पर काम करना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे की पारी की शुरुआत में दो कैच छूटे थे। जिम्बाब्वे के

बल्लेबाजों ने धैर्य से काम किया लेकिन बीच के ओवरों में साझेदारी नहीं बन सकी जिस पर उन्हें काम करना होगा। चिपो मुगेरी तिरिपानो और माडेस्टर मुपाचिकवा जीवनदान का फायदा उठाने में नाकाम रही। शेरने मायेर्स ने अभी तक नाबाद 43, 9, 60 और आठ रन बनाये हैं जिससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 17 वर्ष की बिल्व्ड बिजा का फॉर्म अहम होगा जिन्होंने पिछले दो मैचों में चार और 62 रन बनाये हैं। मिचले मावुंगा ने 23 गेंद में 29 रन बनाये जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। वह इस लय को कायम रखकर बड़ी पारी खेलना चाहेगी। भारत- स्मृति मंधाना (कप्तान),

यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, तेजल हसनिस, दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), हरमनप्रीत कौर, सयाली सतघरे, शेफाली वर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा। जिम्बाब्वे- जोसेफिन नकोमो (कप्तान), चिपेदजा धुरुस (विकेटकीपर), शार्न मेयर्स, मोडेस्टर मुपाचिका (विकेटकीपर), बिलड बीजा, न्याशा ग्वांजुरा, मिशेल मावुंगा, चिपो मुगेरी–तिरिपानो, केलिस नधलोवु, ओलिनदर चारे, कुदुज़ई चिगोरा, फासिस्का चिपारे, तंडाई मकुशा, लोरिन फिरी, नोमेलो सिबांडा।

झारखंड के 21 वर्षीय खिलाड़ी का भारतीय ए टीम में चयन, धोनी से है खास कनेक्शन

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले झारखंड के 21 वर्षीय बल्लेबाज शिखर मोहन को न्यूजीलैंड दौरे पर होने वाले दूसरे और तीसरे चार दिवसीय मुकाबले के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। शिखर मोहन ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करने के बाद मौजूदा सीजन में भी अपनी लय बरकरार रखी है। उन्होंने 2025–26 रणजी ट्रॉफी सीजन में अपने पहले ही सीजन में 55.73 की औसत से 613 रन बनाए थे। वर्तमान सीजन में वह 99 की औसत से दो मैचों में ही 297 रन बना चुके हैं। केरल के खिलाफ झारखंड के पहले रणजी ट्रॉफी मुकाबले में उन्होंने 143 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी की मदद से झारखंड को पहली जीत में बढ़त हासिल करने में मदद मिली। इसके बाद महाराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में 27 और दूसरी पारी में 127 रन बनाकर अपनी निरंतरता का परिचय दिया। दूसरी पारी में उनके शतक ने महाराष्ट्र को 6 अंक हासिल करने से रोक दिया। रणजी ट्रॉफी में प्रदर्शन से पहले भी मोहन ने दूसरे घरेलू टूर्नामेंटों में अपनी छाप छोड़ी थी। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में उन्होंने ईस्ट जोन के लिए दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए। पहली पारी में उन्होंने 85 रन बनाए और इशान किशन के साथ 94 रन की अहम साझेदारी की। दूसरी पारी में भी शिखर ने 52 रन बनाकर उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से खेलते हुए उन्होंने श्रीनगर की मुश्किल विकेट पर 60 रन की जुझारू पारी खेली। अलग-अलग घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार रन बनाने से मोहन ने चयनकर्ताओं के सामने अपनी दावेदारी मजबूत की है। न्यूजीलैंड दौरे पर इंडिया ए का पहला चार–दिवसीय मुकाबला 26 अक्तूबर से खेला जाएगा। दूसरा मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में होगा, जबकि तीसरा मुकाबला लिंकन में खेला जाएगा।